• जयपुर, सोमवार 31 अगस्त 26 • वर्ष 15 • अंक 301 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

RNI. No. RAJHIN/2011/40950

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● **स्वामी विवेकानंद**

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, ब्यावर, जालोर, करौली, नागौर बीकानेर से प्रसारित

न्यूज अपडेट

लखनऊ छावनी में 100 करोड़ से अधिक की 14 विकास परियोजनाओं का भूमि पूजन

लखनऊ/एजेंसी। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लखनऊ छावनी में 100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 14 विकास परियोजनाओं का भूमि पूजन किया। इनमें दो परियोजनाएं उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से क्रियान्वित की जाएंगी। इन परियोजनाओं का उद्देश्य छावनी क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं, जलापूर्ति, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, खेल, स्वच्छता, पार्किंग और शहरी बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है।

इस अवसर पर रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री के साथ करीब 4,000 लोगों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को भी सुना।

लखनऊ छावनी में शुरू होने वाली प्रमुख परियोजनाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र, बहुउद्देश्यीय खेल परिसर, आधुनिक श्मशान घाट, 1,500 किलोलीटर क्षमता वाला भूमिगत जलाशय और पुरानी तथा खराब हो चुकी जलापूर्ति पाइपलाइनों को बदलने का कार्य शामिल है। इसके अलावा पर्यवेक्षी नियंत्रण एवं आंकड़ा

मैं चाहता था राहुल गांधी मेरा अनशन तुड़वाएं' 20 जुलाई के संसद मार्च पर वांगचुक बोले- कुछ और ही था प्लान

नई दिल्ली/एजेंसी। नीट पेपर लीक के विरोध में 'कॉकरोच जनता पार्टी' के प्रदर्शन और 20 जुलाई के संसद मार्च को लेकर 36 दिनों तक भूख हड़ताल करने वाले प्रख्यात पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक का बड़ा बयान सामने आया है। सोनम वांगचुक ने खुलासा किया है कि वह अपने अनशन को सम्मानजनक तरीके से समाप्त करना चाहते थे और उनकी इच्छा थी कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी उन्हें जूस पिलाकर उनका अनशन खत्म करवाएं। इसके साथ ही उन्होंने 20 जुलाई के संसद मार्च के वास्तविक प्लान की जानकारी भी साझा की।

सोनम वांगचुक ने बताया कि उन्होंने आंदोलनकारियों से कहा था कि वह 12 दिन और अनशन जारी रख सकते हैं, जिसके बाद 20 जुलाई को संसद तक मार्च निकालकर सांसदों को ज्ञापन सौंपने की रणनीति बनाई गई थी। मार्च में भीड़ को लेकर सहयोगियों का अनुमान 10 से 15 हजार लोगों का था, लेकिन वांगचुक के अनुसार प्रदर्शन में एक लाख से अधिक लोग जुटे थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि आंदोलन का मकसद किसी भी तरह की तोड़×फोड़ या उपद्रव करना बिल्कुल नहीं था।

वांगचुक ने कहा कि योजना के तहत यदि सत्ता पक्ष से कोई सकारात्मक पहल नहीं होती, तो वे विपक्षी सांसदों से मिलने वाले थे। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा भी मंच पर पहुंचे थे। रणनीति यह थी कि संसद पहुंचकर पूरा मामला सांसदों के सुपुर्द कर दिया जाए और उनसे कहा जाए कि अब वे इस मसले को संसद के पटल पर उठाकर समाधान निकालें।

पीएम स्वनिधि योजना की सहायता से 35 लाख महिलाएं जुड़कर बढ़ा रहीं अपना कारोबार: पीएम मोदी

नई दिल्ली/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के 137वें एपिसोड में पीएम स्वनिधि योजना का जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने बताया कि देश भर में 35 लाख महिलाएं इस योजना से जुड़×कर अपने कारोबार को आगे बढ़ा रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, हमारे शहरों और कस्बों की सड×कों पर प्रतिदिन सुबह से शाम तक लाखों महिलाएं अपने-अपने काम में जुटी रहती हैं। कोई सब्जी बेचती है तो कोई फल और कोई चाय का ठेला लगाती है। कोई फूल, दीये और पूजा की सामग्री बेचती है। बस थोड़ी सी पूंजी की कमी है, जो इनके कारोबार को आगे बढने से रोक देती है। लेकिन अब ऐसी लाखों बहनों और माताओं को पीएम स्वनिधि योजना से नई ताकत मिल रही है। महिला सशक्तीकरण के इस पहलू की उतनी चर्चा नहीं होती है, जितनी होनी चाहिए। पीएम स्वनिधि योजना की लाभार्थियों में करीब 46 फीसदी महिलाएं हैं, यानी देश भर में 35 लाख महिलाएं इस योजना से जुड़कर अपने कारोबार को आगे बढ़ा रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, गाजियाबाद की बबिता शर्मा इसका एक अच्छा उदाहरण हैं। बबिता शर्मा पूजा सामग्री का एक छोटा सा स्टाल लगाती थीं। फूल, दीये, आगरबत्ती और नारियल जैसी चीजें बेचकर अपने परिवार की आजीविका में हाथ बंटाती थीं। बबिता मेहनत खूब करती थीं, लेकिन कारोबार बढ़ाने के लिए पूंजी की जरूरत थी। इसके बाद बबिता को पीएम स्वनिधि योजना से आर्थिक मदद मिली, जिससे उन्होंने अपने स्टाल पर सामान बढ़ाया और कारोबार का विस्तार किया। इससे ग्राहक बढ़े और आमदनी भी बढ़ी। धीरे-धीरे सड×क के किनारे उनका

छोटा सा स्टाल एक दुकान में बदल गया।

पीएम मोदी ने कहा, इसी तरह बेंगलुरु की टीएस निंगम्मा की मिशाल भी बहुत प्रेरक है। निगम्मा और उनके पति ने मिलकर इडली, डोसा और सांभर बेचने का छोटा सा कारोबार शुरू किया। काम चल पड़ा लेकिन इसे बढ़ाने के लिए पूंजी की जरूरत थी। निग्गमा को भी पीएम स्वनिधि से सहयोग मिला। उन्होंने अपनी कार्ट बेहतर की, सामान थोक में खरीदना शुरू किया और मेन्यू में कई चीजें जोड़ी। इससे ग्राहक बढ़े, आमदनी बढ़ी और परिवार की आर्थिक स्थिति बेहतर हुई। आज निंगम्मा अपने तीन बच्चों को बेहतर शिक्षा देने में सक्षम हुई हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, जब एक महिला का कारोबार बढ़ता है तो पूरे परिवार का भविष्य आगे बढ़ता है। बच्चों की शिक्षा बेहतर होती है और घर की जरूरतें पूरी होती हैं। इससे महिला के भीतर आत्मविश्वास मजबूत होता है। यही तो है महिला सशक्तीकरण का एक जीवंत रूप। मैं रेहड़ी-पटरी के काम से जुड़ी सभी महिलाओं को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देता हूं।

बता दें कि पीएम स्वनिधि केंद्रीय क्षेत्र की एक योजना है, जो रेहड़ी-पटरी लगाने वाले विक्रेताओं को किफायती कार्यशील पूंजी, वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा उपायों के माध्यम से सहायता प्रदान करती है।

पीएम स्वनिधि योजना को कोविड-19 महामारी के दौरान शुरू किया गया था, ताकि उन रेहड़ी-पटरी लगाने वाले विक्रेताओं को किफायती कार्यशील पूंजी ऋण उपलब्ध कराया जा सके, जिनके व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हुए थे। यह रेहड़ी-पटरी लगाने वाले विक्रेताओं के लिए पहली समर्पित सूक्ष्म-ऋण योजना है, जो अनौपचारिक कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा हैं और औपचारिक ऋण तक अक्सर उनकी पहुंच सीमित होती है। इसका उद्देश्य उनके वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देते हुए उनके व्यवसायों के विकास को समर्थन देना है।

इस योजना के तहत रेहड़ी-पटरी लगाने वाले विक्रेताओं को क्रमिक ऋण किश्तों के माध्यम से 15,000 रुपये, 25,000 रुपये और 50,000 रुपये तक के बिना गारंटी कार्यशील पूंजी ऋण प्रदान किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, योजना के अंतर्गत ब्याज सब्सिडी, क्रेडिट गारंटी सहायता और पात्र विक्रेताओं के लिए 30,000 रुपये तक का यूपीआई-लिंक्ड रुपे क्रेडिट कार्ड भी प्रदान किए जाते हैं।

'मन की बात' का 137वां संस्करण

युवा अपने विचारों-नवाचारों से राष्ट्र विकास में दें योगदान

पीएम स्वनिधि योजना में 46 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं – प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

- **महिलाओं का सामाजिक-आर्थिक विकास सुनिश्चित कर रही सरकार**
- **शिक्षा और चिकित्सा के जरिए सुदृढ़ भविष्य किया जा रहा तैयार - मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा**

चमकता राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर महिलाओं के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का 137वां एपिसोड सुना। इस दौरान प्रधानमंत्री ने महिला सशक्तीकरण, नशा मुक्त युवा सहित विभिन्न मुद्दों को लेक र बात रखी। साथ ही, देश के विभिन्न इलाकों के लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव से भी रूबरू करवाया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एक छोटा आइडिया बड़े बदलाव का कारण बन सकता है। उन्होंने युवाओं से आ''ान करते हुए कहा कि अपने विचारों और नवाचारों को आगे बढ़ाते हुए समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान दें। उन्होंने महिला सशक्तीकरण का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में लगभग 46 प्रतिशत यानी 35 लाख से अधिक लाभार्थी महिलाएं हैं, जो अपने छोटे व्यापार को बड़े कारोबार में तब्दील कर रही हैं।

उन्होंने युवा पीढ़ी से नशे से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान में जिस प्रकार युवाओं की भागीदारी देखने को मिल रही है, वह प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान में भी युवा आगे बढ़कर भाग ले रहे हैं और विशेष पहलों के जरिए मिसाल कायम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार मातृशक्ति के लिए कल्याणकारी योजनाएं ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, जन-धन खाते, उज्ज्वला योजना, पीएम आवास योजना एवं पीएम स्वनिधि योजना जैसी अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से देश की महिलाओं के जीवन में बदलाव आया है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्र को मजबूत बनाने के लिए महिलाओं को सशक्त करना जरूरी है। यही कारण है कि हमारी सरकार ने पिछले तीनों बजट में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी महिलाओं के साथ रायशुमारी की और उनके सुझावों को बजट में शामिल भी किया। वहीं, बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए मेधावी छात्राओं को साइकिल एवं स्कूटी वितरित की जा रही हैं। वहीं, गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए मा योजना के तहत निशुल्क जांच एवं सोनोग्राफी जैसी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजीविका के जरिए महिलाओं का सामाजिक एवं आर्थिक विकास भी सुनिश्चित किया जा रहा है। वहीं, आशा सहयोगनियों के मानदेय में 10 प्रतिशत बढ़ोतरी की गई है। इसी प्रकार बैंक सखी और पशु सखी जैसी पहलों के जरिए महिलाओं तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है।

इस अवसर पर विभिन्न जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रही।

13 साल बाद चर्चित अफसर दिव्या मित्तल ने क्यों दिया इस्तीफा? भावुक पोस्ट में खोला दिल का राज

नई दिल्ली/एजेंसी। अपनी कार्यशैली और जनसेवा के लिए पहचानी जाने वाली चर्चित आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल ने प्रशासनिक सेवा से इस्तीफा दे दिया है। 13 साल के अपने प्रशासनिक करियर को विराम देते हुए उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक बेहद भावुक पोस्ट साझा की है। उन्होंने अपने इस पूरे कार्यकाल को एक 'अविस्मरणीय सफर' बताया और कहा कि जनता के बीच रहकर काम करने के दौरान उन्हें जीवन के कई अनमोल सबक सीखने को मिले।

- **साधारण परिवार से निकलकर लंदन तक का सफर**

दिव्या मित्तल ने अपने शुरुआती जीवन और संघर्ष के दिनों को याद करते हुए लिखा कि एक बेहद सामान्य पृष्ठभूमि से आने के बावजूद उनके सपने हमेशा बड़े रहे। कड़ी मेहनत के दम पर उन्होंने देश के शीर्ष संस्थानों- आईआईटी दिल्ली और आईआईएम बैंगलोर से पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उन्हें लंदन में एक शानदार नौकरी और बेहतरीन सुविधाएं मिलीं। हालांकि, विदेश की चकाचौंध के बीच भी उन्हें अपनी मातृभूमि से दूर होने का खालीपन लगातार कचोटता रहता था, जिसने आखिरकार उन्हें भारत लौटने के लिए प्रेरित किया।

- **'सरकारी फाइलों के पीछे किसी इंसान की जिंदगी होती है'**

भारत लौटकर प्रशासनिक सेवा में आने के अपने फैसले पर दिव्या मित्तल ने बताया कि वह देश के नवनिर्माण में अपनी सीधी भागीदारी चाहती थीं। अपने कार्यकाल के दौरान देवरिया और मिर्जापुर जैसे जिलों में किए गए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए उन्होंने लिखा कि दिव्यांगों, किसानों और जरूरतमंद परिवारों के साथ काम करते हुए उन्हें यह अहसास हुआ कि सरकारी फाइलें सिर्फ कागजों का पुलिंदा नहीं होतीं, बल्कि उनके पीछे किसी आम इंसान की जिंदगी और उसकी उम्मीदें टिकी होती हैं।

'शुरुआत में नासमझी थी, लोगों के प्यार ने ही आगे बढ़ाया'

सजावटी मत्स्य पालन के विस्तार के लिए बनेगी रणनीतिक कार्ययोजना

उपराष्ट्रपति 31 अगस्त को जारी करेंगे 'मिशन रंगीन मछली 2031'

अगत्ती (लक्षद्वीप)/एजेंसी।

लक्षद्वीप के समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग पर जोर

मत्स्य पालन विभाग, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय की ओर से 31 अगस्त 2026 को अगत्ती, लक्षद्वीप में आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में भारत के उपराष्ट्रपति 'मिशन रंगीन मछली 2031' नामक सजावटी मत्स्य पालन के विकास के लिए तैयार रणनीतिक कार्ययोजना जारी करेंगे।

कार्यक्रम में केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी तथा पंचायती राज मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी तथा पंचायती राज राज्य मंत्री प्रो. एस. पी. सिंह बघेल और लक्षद्वीप के प्रशासक श्री प्रफुल्ल खोड़ा पटेल मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मछली पालक और मछुआरे, जिनमें महिलाएं भी शामिल हैं, प्रत्यक्ष रूप से भाग लेंगी। केंद्र और लक्षद्वीप सरकार के मत्स्य पालन विभागों के साथ मत्स्य पालन समूहों तथा संबंधित मंत्रालयों एवं विभागों के प्रतिनिधि भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे।

- **लक्षद्वीप में समुद्री संसाधनों की अपार संभावनाएं**

भारत के पास विशाल समुद्री संसाधन हैं, लेकिन इनका एक बड़ा हिस्सा अभी पूरी तरह उपयोग में नहीं आया है। देश की करीब 11,099 किलोमीटर लंबी तट-रेखा, विशाल अनन्य आर्थिक क्षेत्र और समुद्री मत्स्य संसाधनों की पर्याप्त क्षमता सतत मत्स्य पालन, गहरे समुद्र में मछली पकडने, समुद्री जलीय कृषि और नीली अर्थव्यवस्था के विस्तार के लिए व्यापक अवसर प्रदान करती है।

सजावटी मत्स्य पालन की पूरी मूल्य श्रृंखला पर ध्यान

'मिशन रंगीन मछली 2031' का उद्देश्य देश में सजावटी मत्स्य पालन को वैज्ञानिक, व्यवस्थित और टिकाऊ तरीके से विकसित करना है। रणनीतिक कार्ययोजना के तहत सजावटी मत्स्य पालन की पूरी मूल्य श्रृंखला में वैज्ञानिक प्रबंधन, जैव-सुरक्षा, गुणवत्ता सुनिश्चित करने और नियामकीय अनुपालन के लिए एक समान रूपरेखा उपलब्ध कराई जाएगी। कार्ययोजना के तहत मानक संचालन प्रक्रियाओं के माध्यम से मछली के प्रजनन, बीज उत्पादन केंद्रों के संचालन, उत्पादन प्रणालियों, प्रारंभिक मछली भंडार के प्रबंधन, पृथक्करण व्यवस्था, स्वास्थ्य प्रबंधन और मछलियों की पहचान एवं उनके आवागमन का रिकॉर्ड रखने जैसी प्रक्रियाओं को मानकीकृत किया जाएगा। इसके अलावा एक्वेरियम संचालन, मछलियों की देखभाल, रख-रखाव, परिवहन और व्यापार से जुड़ी प्रक्रियाओं को भी व्यवस्थित किया जाएगा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु कल निफ्ट संयुक्त दीक्षांत समारोह में होंगी मुख्य अतिथि

नई दिल्ली/एजेंसी।

- **देशभर के 18 निफ्ट परिसरों के विद्यार्थी एक साथ प्राप्त करेंगे डिग्रियां, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को मिलेंगे स्वर्ण पदक**

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु 31 अगस्त 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) के संयुक्त दीक्षांत समारोह-2026 में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। राष्ट्रपति निफ्ट की आधिकारिक विजिटर भी हैं। इस संयुक्त समारोह में देशभर के 18 निफ्ट परिसरों से उत्तीर्ण विद्यार्थी एक साथ शामिल होकर अपनी डिग्री प्राप्त करने की उपलब्धि का उत्सव मनाएंगे। दीक्षांत समारोह के दौरान विद्यार्थियों की शैक्षणिक उत्कृष्टता, सृजनात्मकता, समर्पण और विभिन्न उपलब्धियों को सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह सहित अन्य विशिष्ट गणमान्य व्यक्ति, निफ्ट के शासी मंडल के सदस्य, वरिष्ठ अधिकारी, संकाय सदस्य, विद्वान और उत्तीर्ण विद्यार्थी मौजूद रहेंगे।

समारोह में निफ्ट के विभिन्न परिसरों और पाठ्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम में सर्वाधिक संचयी ग्रेड बिंदु औसत (सीजीपीए) प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा।

संपादकीय

एसआईआर पर बड़ा सवाल, 91 फीसदी अपीलों में बहाल हुए मतदाता ?

विडंबना यह है कि एसआइआर अपने शुरुआती दौर से ही अनेक तरह के सवालों से घिरा रहा है और विपक्षी दल इसमें व्यापक पैमाने पर गड़बड़ी के आरोप लगाते रहे हैं। अपने घोषित उद्देश्य के मुताबिक मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर को देश में चुनावों और मतदान की प्रक्रिया को दोषरहित बनाने की कोशिश कहा जा सकता है। मगर इसके साथ ही यह जिम्मेदारी भी अनिवार्य रूप से जुड़ी हुई है कि कोई एक भी वैध मतदाता न छूटे और उसे मतदान का उसका अधिकार हर हाल में मिले। मगर क्या देश के अलग-अलग राज्यों में अब तक हुए एसआइआर में इसके घोषित उद्देश्यों के मुताबिक ही नतीजे सामने आ सके हैं?

विडंबना यह है कि एसआइआर अपने शुरुआती दौर से ही अनेक तरह के सवालों से घिरा रहा है और विपक्षी दल इसमें व्यापक पैमाने पर गड़बड़ी के आरोप लगाते रहे हैं। खासतौर पर पश्चिम बंगाल और बिहार में एसआइआर के बाद जिस पैमाने पर लोगों के नाम मतदाता सूची से बाहर किए गए, उसे लेकर तमाम सवाल उठे। यह कहा गया कि बड़ी संख्या में लोगों का नाम किसी कथित चूक का हवाला देकर मतदाता सूची से हटा दिया गया और वे वोट देने से वंचित रह गए। पश्चिम बंगाल में इस क्रम में ऐसे करीब सत्ताईस लाख लोगों के नाम बाहर कर दिए गए थे। जब उस पर चौतरफा सवाल उठे, तब निर्वाचन आयोग की ओर से उन्नीस अपीलीय न्यायाधिकरणों का गठन किया गया था।अब सूचना के अधिकार कानून के तहत मिली एक जानकारी के मुताबिक, एसआइआर के बाद आई 82,782 अपीलों में से न्यायाधिकरण की ओर से इक्यानबे फीसद मतदाताओं के नाम बहाल कर दिए गए हैं। फिलहाल कुल अपीलों में से सिर्फ 2.17 फीसद मामलों पर ही फैसला हुआ है। अगर दावा सही पाए जाने का अनुपात लगभग यही बना रहता है, तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि कितने बड़े पैमाने पर वैध मतदाता अपना वोट डालने से वंचित रह गए। क्या यह उन तमाम मतदाताओं के लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन नहीं है, जिनका नाम किसी मामूली त्रुटि का हवाला देकर हटा दिया गया? मतदान के समय मतदाता सूची से नाम हटा देने और चुनाव खत्म होने के बाद वही नाम सही पाए जाने पर सूची में जोड़ देने को कैसे देखा जाएगा?इससे शायद ही किसी को आपत्ति होगी कि चुनावों में मतदान की पूरी प्रक्रिया बिल्कुल स्वच्छ और शुचितापूर्ण हो। साथ ही किसी भी स्थिति में उसमें न तो अवैध मतदान की कोई गुंजाइश हो और न ही किसी वैध मतदाता को मतदान के उसके अधिकार से वंचित किया जाए। निर्वाचन आयोग ने जब मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू की थी, तो इसके पीछे यही दलील दी गई थी। प्रथम दृष्टया यह प्रक्रिया अपने आप में चुनावों को ज्यादा स्वच्छ बनाने की कवायद लगती है, क्योंकि इसके तहत वैसे सभी नामों को मतदाता सूची से हटाए जाने की बात कही गई, जिनकी या तो मौत हो गई या फिर जो किसी वजह से अन्य जगह विस्थापित हो गए हों।

मानव शरीर की हड्डियों और दिमाग की सेहत के बीच का संबंध शारीरिक सुरक्षा से कहीं ज्यादा गहरा है। इसका संकेत 1800 के दशक में तब मिला, जब फ्रांसीसी पैथोलॉजिस्ट जीन-मार्टिन चारकोट ने 'टेब्स डॉर्सैलिस' नाम की बीमारी वाले मरीजों के बारे में बताया था। इन मरीजों की हड्डियों के जोड़ कमजोर हो रहे थे, क्योंकि वहां मौजूद मुलायम ऊतक खराब हो रहे थे। चारकोट का मानना था कि इसकी वजह सामान्य हड्डियों की बीमारी नहीं, बल्कि मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी को पहुंचा नुकसान था। चारकोट को मस्तिष्क की रक्त वाहिकाओं के तंत्र की व्याख्या करने का श्रेय भी दिया जाता है।

क्या कमजोर हड्डियां बढ़ा सकती हैं मनोभ्रंश का खतरा? हड्डियों और याददाश्त का संबंध क्या है

(पुष्परंजन)

आज हालत यह है कि पैसा और तकनीकी सुविधाएं बढ़ने के साथ लोगों ने खुद के कार्यों को घरेलू सहायकों के हवाले कर दिया है। तकनीक के विकास और विलासितापूर्ण जीवनशैली के साथ-साथ डिमेंशिया यानी मनोभ्रंश की बीमारी का संकट भी बढ़ता जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक अध्ययन के अनुसार, भारत में इस बीमारी से एक करोड़ से अधिक लोग पीड़ित हैं, जबकि हल्के लक्षणों वाले लोगों की संख्या 2.4 करोड़ से ज्यादा है। मुख्य रूप से साठ वर्ष से अधिक उम्र के लोग इसकी चपेट में आते हैं।

विशेषज्ञों का अनुमान है कि वर्ष 2036 तक भारत में यह संख्या बढ़कर लगभग 1.69 करोड़ हो सकती है। यह समस्या पुरुषों की तुलना में महिलाओं में और शहरी इलाकों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक देखी गई है। यह बीमारी भले ही मस्तिष्क और स्मरण शक्ति से जुड़ी है, लेकिन इसका कारण हड्डियों का कमजोर होना है। आज के दौर में शारीरिक गतिविधियों पर बहुत कम ध्यान दिया जाता है, जिससे हड्डियों की सेहत भी कमजोर पड़ने लगी है। इसके परिणामस्वरूप लोगों को चलने-फिरने में दिक्कत के साथ मनोभ्रंश की समस्या भी घेरने लगी है।

मानव शरीर की हड्डियों और दिमाग की सेहत के बीच का संबंध शारीरिक सुरक्षा से कहीं ज्यादा गहरा है। इसका संकेत 1800 के दशक में तब मिला, जब फ्रांसीसी पैथोलॉजिस्ट जीन-मार्टिन चारकोट ने 'टेब्स डॉर्सैलिस' नाम की बीमारी वाले मरीजों के बारे में बताया था। इन मरीजों की हड्डियों के जोड़ कमजोर हो रहे थे, क्योंकि वहां मौजूद मुलायम ऊतक खराब हो रहे थे। चारकोट का मानना था कि इसकी वजह सामान्य हड्डियों की बीमारी नहीं, बल्कि मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी को पहुंचा नुकसान था। चारकोट को मस्तिष्क की रक्त वाहिकाओं के तंत्र की व्याख्या करने का श्रेय भी दिया जाता है।

हालांकि, बाद में न्यूयॉर्क के कोलंबिया विश्वविद्यालय में मेडिसिन एवं बायोमेडिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर डॉ. जेरार्ड कार्सेंटी ने हड्डियों में बनने वाले हार्मोन 'ऑस्टियोकैल्सिन' और शारीरिक कार्यों में इसकी भूमिका के बारे में बेहतर समझ विकसित की थी। यह हार्मोन 'ऑस्टियोब्लास्ट' से बनता है, जो हड्डी बनाने वाली कोशिकाएं होती हैं। यह हड्डी से खून में मिल जाता है और रक्त शर्करा को व्यवस्थित करने तथा 'टेस्टोस्टेरोन' और 'स्ट्रेस हार्मोन कोर्टिसोल' को विनियमित करने में मदद करता है, जो व्यायाम के दौरान मांसपेशियों के काम करने के लिए जरूरी होता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, 'ऑस्टियोकैल्सिन' हार्मोन चिंता एवं अवसाद को कम करता है और हमें किसी बात को याद रखने में मदद करता है। यह हार्मोन बच्चे के पैदा होने से पहले ही उसके दिमाग को विकसित करना शुरू कर देता है। यह मां के शरीर में बनता है और गर्भनाल के जरिए विकसित हो रहे भ्रूण तक पहुंचता है। प्रयोगशाला में किए गए परीक्षणों से पता चलता है कि बुजुर्ग इंसानों की तरह बूढ़े चूहों को भी याददाश्त की समस्या होती है।

परीक्षण के दौरान अठारह माह के एक चूहे को दोबारा पानी के टैंक में छोड़ दिया गया। चूहों की उम्र के हिसाब से उसे बूढ़ा कहा जा सकता है। वह पानी के नीचे एक ढांचे को ढूंढ़ने की कोशिश करता है, जिस पर वह चढ़ सके, लेकिन उसे याद नहीं आता कि वह कहां है। इसी तरह के टैंक में डाले गए एक अन्य युवा चूहे को उस ढांचे को तलाशने में कोई दिक्कत नहीं होती, जिसका इस्तेमाल उसने एक दिन पहले किया था। वैज्ञानिक बूढ़े चूहे को 'ऑस्टियोकैल्सिन' की एक खुराक देते हैं, जिससे उसकी याददाश्त बेहतर हो जाती है और वह उस ढांचे को ढूंढ़ लेता है।

वैज्ञानिकों ने एक और बात जानी कि चूहे में लगभग नौ माह की उम्र में तथा महिलाओं में तीस साल और पुरुषों में पचास साल की उम्र से पहले 'ऑस्टियोकैल्सिन' का स्तर तेजी से कम होने लगता है। हालांकि, जब शरीर पर व्यायाम या अन्य तरह की गतिविधि से दबाव पड़ता है, तो इस हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है। शारीरिक गतिविधि के बिना हड्डियों का घनत्व कम हो जाता है और इस हार्मोन का बनना भी कम हो जाता है।

वैज्ञानिकों ने पाया है कि ज्यादा उम्र की महिलाओं में बारह हफ्तों तक सप्ताह में तीन बार एक घंटे का व्यायाम करने से 'ऑस्टियोकैल्सिन' के स्तर और हड्डियों के घनत्व में बढ़ोतरी होती है। उदाहरण के लिए वजन उठाने की गतिविधि, दौड़ना, नृत्य करना या तेज चलना इस हार्मोन के स्तर को बढ़ा देता है। इसके अलावा विटामिन-डी और के-2 वाला अच्छा खान-पान भी इसका एक अहम हिस्सा है।

बढ़ती उम्र के साथ सुनने की क्षमता कम हो जाना एक और गंभीर समस्या है। अमेरिका में 1,44,000 महिलाओं पर किए गए एक अध्ययन में 'ऑस्टियोपोरोसिस' (हड्डियों का घनत्व कम होना) और सुनने की क्षमता कम होने के बीच संबंध पाया गया है। कान के बीच के हिस्से में मौजूद छोटी-छोटी हड्डियां (मेलियस, इनकस और स्टेप्स) आवाज को आगे पहुंचाने में मदद करती हैं। अगर हड्डियों के कमजोर होने या टूटने से इन्हें नुकसान पहुंचता है, तो सुनने की क्षमता कम हो सकती है। मगर यह ऐसा जोखिम है, जिसे ठीक किया जा सकता है।

बहरहाल, मुख्य बात यह है कि हम अपनी हड्डियों की सेहत को उतनी गंभीरता से नहीं लेते, जितनी जरूरत होती है। जबकि हड्डियां शरीर के कई ऐसे जरूरी कार्यों को नियंत्रित करती हैं, जिनकी गति उम्र बढ़ने के साथ धीमी होने लगती हैं। इसलिए उम्र बढ़ने के साथ-साथ हड्डियों की सेहत का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

जब हड्डियां कमजोर हो जाती हैं, तो हल्की चोट लगने पर भी उनके टूटने का खतरा रहता है। ऐसे में अगर सोचने-समझने एवं सुनने की क्षमता को बनाए रखना है और हड्डियों को टूटने से बचाना है, तो उनके स्वास्थ्य पर गंभीरता से ध्यान देना होगा। हड्डियों और दिमाग के बीच के परस्पर संबंधों को मजबूत बनाए रखने का सबसे असरदार और आसान तरीका है, शारीरिक रूप से सक्रिय रहना। आज हालत यह है कि पैसा और तकनीकी सुविधाएं बढ़ने के साथ लोगों ने खुद के कार्यों को घरेलू सहायकों के हवाले कर दिया है। यदि व्यक्ति झाड़ू-पोंछा, साफ-सफाई और भोजन बनाने जैसे घरेलू कार्यों को खुद करे, तो शरीर का अच्छा व्यायाम हो सकता है। यानी न तो जिम जाने की जरूरत पड़ेगी और न ही शारीरिक गतिविधियों के लिए पैसा खर्च करना पड़ेगा।

देश में मनोभ्रंश के बढ़ते मामलों से निपटने के लिए सरकारी स्तर पर भी व्यापक प्रयास किए जाने की जरूरत है। इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर विशेष कार्यक्रम और अभियान शुरू करने होंगे। जिला स्तर पर 'मेमोरी क्लीनिक' खोलने होंगे और यहां पर देखभाल करने वालों को आर्थिक एवं सामाजिक सहायता देनी होगी। इसके अलावा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में हड्डी एवं मानसिक स्वास्थ्य इकाइयां स्थापित करना भी समय की जरूरत है। मनोभ्रंश को आधिकारिक तौर पर बुजुर्गों की दिव्यांगता के रूप में अधिसूचित करने की जरूरत है। देश में बढ़ती आबादी के अनुरूप प्रभावी इलाज और रोकथाम के लिए अनुसंधान केंद्र स्थापित करना भी आवश्यक है। मगर इससे पहले देश में मनोभ्रंश प्रबंधन का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाना जरूरी है।

अंकों का गणित- एक रुपया बढ़े तो बरकत, एक अंक घटे तो बदल जाती है पूरी कहानी

(विप्रम)

कुछ संख्या बोलने में ही किसी को इतनी 'कठिन' लगती हैं कि उनकी जीभ लड़खड़ा जाए या भ्रम हो जाए। जैसे उनसठ, उनचास और उनहत्तर। अंकों का अपना अर्थ होता है। संख्या के हिसाब से इनका गणित कभी लाभदायक, तो कभी हानिकारक हो जाता है। इसी नफा या नुकसान के मद्देनजर इन्हें अजीब कहा जाता है। उदाहरण के तौर पर एक कर्मचारी की सेवानिवृत्ति उनतीस अप्रैल को हुई, हालांकि उनकी जन्म तिथि एक मई थी। सेवानिवृत्ति की आयु पूरी होने के लिहाज से देखा जाए, तो ऐसा लग रहा है कि उन्हें एक दिन पहले सेवानिवृत्त कर दिया गया। नियम यह है कि अगर उनकी जन्म-तिथि एक मई न होकर दो मई होती, तो वे इकतीस मई को सेवानिवृत्त होते। यानी उन्हें पूरे एक महीने का लाभ मिलता। एक दिन के फेर में कर्मचारी को खासा नुकसान हो गया।

अंकों के गणित की शुरुआत शून्य से नौ तक मानी जाती है। शून्य यानी जीरो का अपना अलग महत्त्व होता है। एक से आगे की संख्याओं की अपनी महिमा होती है। अपने विशेष संकेत हुआ करते हैं। शून्य वह संख्या है, जो किसी अन्य संख्या के पहले या बाद में लगा दिया जाए, तो उस संख्या का महत्त्व घट या बढ़ जाता है।

ठीक ऐसे ही एक वह संख्या है, जिसे किसी और संख्या में बढ़ा दिया जाए, तो उसकी महत्ता में और अधिक वृद्धि हो जाती है। उदाहरण के तौर पर एक सौ रुपए की इतनी अहमियत नहीं होती, जब तक कि उसमें एक रुपया बढ़ा न दिया जाए। एक सौ एक होते ही वह सौ रुपया 'श्रद्धापूर्ण' होकर बहुत भला लगने लगता है। ठीक इसी तरह पांच सौ एक और ग्यारह सौ एक रुपए। यहां बढ़ा हुआ एक रुपया बहुमूल्य ही नहीं, 'अति संस्कारी' भी हो जाता है!

एक रुपया, यानी एक की कमी कभी-कभी विस्मयकारी भी हो सकती है, जिसे सरकारी या गैरसरकारी खिड़की से कोई रेल या बस की टिकट लेते समय अमूमन देखा जा सकता है। यह एक रुपया कितना करामाती होता है, यह भीड़ में साफ दिखता है। टिकट लेने की प्रक्रिया में यह रुपया बाधक भी हो सकता है और बड़ा कीमती भी हो जाता है। यानी एक की संख्या। एक बार एक प्रधानमंत्री को सदन में यह एक की संख्या कितनी भारी पड़ी थी, सब जानते हैं। सीधे शब्दों में कहें, तो उनकी सरकार चली गई थी।

इस एक की संख्या का गणित सच में बड़ा जटिल होता है। एक नंबर से परीक्षाफल में विद्यार्थियों की अच्छी-खासी डिवीजन यानी श्रेणी तक बदल जाती है। एक मिनट लेट होने पर ट्रेन छूट जाती है, तो आजकल कभी-कभी परीक्षा-भवन में प्रवेश से रोक दिया जाता है। हर शुरुआत के लिए पहले कदम की दरकार होती है।

असल गिनती देखा जाए, तो एक से दस तक हुआ करती है। इसी को क्रम से आगे बढ़ाते रहा जाए, तो गिनती और बढ़ती रहेगी। सौ, हजार, लाख, करोड़ सब अंकों का खेल है। पुराने लोगों को तो हाथ की अंगुलियों की गिनती आती थी, यानी पांच तक। इसी पांच में वे अपनी जिंदगी गुजार लेते थे। पर यहां यह जरूर कह सकते हैं कि पांच से दो अंक पहले जो अंक यानी तीन आता है, वह न तो उन्हें भला लगता था, न किसी और को। यह संख्या आज के दौड़ते-भागते लोगों को भी माफिक नहीं लगती। अशुभ मानते हुए कहा भी जाता है- तीन तिगाड़ा, काम बिगाड़ा।

इस क्रम में देखा जाए तो नौ की संख्या 'अद्भुत' मानी जाती है। यह वह संख्या है, जिसे एक से दस तक गुणा करने के बाद जो फल आता है, उसका जोड़ भी नौ ही आएगा। जैसे नौ गुणा एक बराबर हुआ नौ। नौ गुणा दो बराबर अठारह। इस अठारह का जोड़ हुआ नौ। ऐसे ही नौ को तीन से गुणा करने के उपरांत योग हुआ सत्ताईस। इसका जोड़ हुआ नौ। आखिर में नौ को दस से भी गुणा करने पर जोड़ हुआ नब्बे।

इस नब्बे को जोड़ा, तो फिर नौ बने। बहरहाल, बारह की संख्या के बाद और चौदह से पहले आने वाली संख्या, यानी तेरह, कैलेंडरों या किताबों में तो अवश्य लिखी मिल जाएगी, लेकिन किसी होटल या अस्पताल में यह संख्या कई बार कहीं नहीं दिखती है। शायद बहुत पर्दे में रहती है। अंकशास्त्री भी इसके सम्मोहन में हाथ खड़े कर देते हैं। तेरह की तोड़ में जगह-जगह केवल बारह-ए लिखा मिल सकता है। सीधा-साफ तेरह नहीं लिखा जाता। इसका भाव भी टेढ़ा समझा जाता है।

बहरहाल, संख्याओं के तीन-तेरह में क्या और क्यों पड़ना! बड़े से बड़े अंकशास्त्री इससे बचा करते हैं। फिर आम लोगों की क्या ही कहें? अंकों का विश्लेषण करते हुए कुछ संख्याओं पर टिप्पणी करना यहां अति आवश्यक है। ये अगर यहां गिनाई न जाएं तो बात अधूरी रह सकती है। इन्हें संज्ञा विशेषण ही नहीं, बल्कि सर्वनाम विशेषण और क्रिया विशेषण के तौर पर भी याद किया जा सकता है।

बारिश में क्यों डूब रहे शहर? कचरा प्रबंधन की कमजोरी से बढ़ रहा जलभराव का संकट

हर मानसून में योजनाओं की कमियों और अधूरी तैयारियों के चलते शहरों में जलभराव, ट्रैफिक जाम और मोहल्लों में बाधित आवागमन जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। सड़कों और सर्विस लेन के किनारे डाला जाने वाला कचरा वर्षा जल निकासी के नालों में चला जाता है, जिससे उनकी जल निकासी क्षमता घटती है, बारिश के पानी का बहाव रुकता है, और अस्वास्थ्यकर स्थितियां पैदा होती हैं। मसलन, हैदराबाद में हैदराबाद डिजास्टर रिस्पॉन्स एंड असेट प्रोटेक्शन एजेंसी (हाइड्रा) ने बारिश के पानी की निकासी वाले नालों से 13 ट्रक कचरा निकाला।

(सृष्टि मिश्रा)

बारिश की बढ़ती तीव्रता के मद्देनजर वही शहर बाढ़ से सुरक्षित रह पाएंगे, जो कचरा प्रबंधन के नियमों का सही ढंग से पालन करेंगे। मानसून ने फिर बता दिया कि भारी बारिश के सामने हमारे शहर कितने कमजोर हैं। कई शहर भारी बारिश के बाद सड़कों पर बाढ़ और जलजमाव की समस्या से जूझ रहे हैं। इस समस्या को गहराई से देखने पर इसके पीछे कचरा प्रबंधन की नाकामी साफ नजर आती है।

हर मानसून में योजनाओं की कमियों और अधूरी तैयारियों के चलते शहरों में जलभराव, ट्रैफिक जाम और मोहल्लों में बाधित आवागमन जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। सड़कों और सर्विस लेन के किनारे डाला जाने वाला कचरा वर्षा जल निकासी के नालों में चला जाता है, जिससे उनकी जल निकासी क्षमता घटती है, बारिश के पानी का बहाव रुकता है, और अस्वास्थ्यकर स्थितियां पैदा होती हैं। मसलन, हैदराबाद में हैदराबाद डिजास्टर रिस्पॉन्स एंड असेट प्रोटेक्शन एजेंसी (हाइड्रा) ने बारिश के पानी की निकासी वाले नालों से 13 ट्रक कचरा निकाला।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, भारत में रोजाना 1,70,900 टन शहरी ठोस कचरा निकलता है। इसमें से 61 फीसदी की प्रोसेसिंग होती है, 22 फीसदी हिस्सा लैंडफिल में जाता है, जबकि 17 प्रतिशत कचरे का लेखा-जोखा ही नहीं मिल पाता है। काउंसिल ऑन एनर्जी, एन्वॉयरन्मेंट एंड वॉटर (सीईईडब्ल्यू) के मुताबिक, जो कचरा आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हो पाता, उसका बड़ा हिस्सा खुले में फेंक दिया जाता है। यह कचरा धीरे-धीरे जलस्रोतों और बारिश के पानी की निकासी वाले नालों में पहुंच जाता है। मानसून से पहले इन नालों की सफाई न होने के कारण उनकी जल निकासी क्षमता कम हो जाती है और जलभराव की समस्या बढ़ जाती है। यह समस्या बुनियादी ढांचे के डिजाइन में कमी के कारण और भी बढ़ जाती है।

शहरी जल निकासी तंत्र आमतौर पर सिर्फ 12 से 20 मिमी प्रति घंटे की तीव्रता वाली बारिश को संभाल पाते हैं। लेकिन, अब शहरों में कम समय में बहुत तेज बारिश हो रही है, जो इनकी क्षमता से कहीं अधिक है। सीईईडब्ल्यू के एक शोध में सामने आया है कि द्विवर्षीय पुनरावृत्ति अवधि वाली बारिश की घटनाओं में महाराष्ट्र के ठाणे और गुजरात के नवसारी शहरों में 55 से लेकर 60 मिलीमीटर प्रति घंटे की तीव्रता की बारिश दर्ज की गई। यह चुनौती तब और गंभीर हो जाती है, जब कचरा प्रसंस्करण की व्यवस्था पर्याप्त न हो। ऐसे में कुछ कदम उठाने जरूरी हैं।

पहला, शहरी स्थानीय निकायों को जल निकासी व्यवस्था और रोजमर्रा के संचालन की योजना बनाते समय वार्ड स्तर पर बारिश और कचरे से जुड़े आंकड़ों का एकसाथ विश्लेषण करना होगा। इससे योजना निर्माण के लिए पुराने औसत आंकड़ों की तुलना में एक सशक्त आधार मिलता है। दूसरा, शहरी स्थानीय निकायों को बारिश के बदलते पैटर्न को ध्यान में रखकर नालों की सफाई के समय में बदलाव करना होगा। इसके अलावा, स्वच्छता, जल-निकासी और सीवरेज जैसे विभिन्न विभागों के बीच तालमेल को औपचारिक रूप देना चाहिए। इधर-उधर कचरा फेंकने पर सख्ती किए बगैर सिर्फ नालों की सफाई करके शहरी बाढ़ नहीं रोकी जा सकती है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने हाल ही में वर्षा जल निकासी के नालों में सीवेज का प्रवाह रोकने, खुले में कचरा फेंकने पर जुर्माने को सख्त बनाने और नागरिक जिम्मेदारियों के प्रति जन-जागरूकता को बढ़ाने पर जोर दिया है। तीसरा, शहरों को एकीकृत जल निकासी व कचरा प्रबंधन ढांचे में निवेश करना होगा। यानी, बाढ़ के जोखिम वाले इलाकों में जीरो-वेस्ट योजनाओं के साथ वर्षा जल निकासी के ढांचे को विस्तार देना चाहिए।

अंत में, शहरों को शुरू में ही कचरे को नालों में जाने से रोकना होगा। कचरा पकड़ने वाले जाल (डेब्रिस ट्रैप्स), स्क्रीन और ट्रैश रैक जैसे कम लागत वाले उपकरण कचरे को नालों में जाने से रोक सकते हैं। केरल के अलाप्पुझा की 'कैनालपी' पहल मोहल्ला स्तर पर कचरा रोकने वाली स्क्रीन और विकेंद्रीकृत घरेलू कचरा प्रबंधन के जरिये प्लास्टिक को नहरों तक पहुंचने से रोकती है। वहीं, सिंगल-यूज प्लास्टिक पर रोक से नाले जाम होने की समस्या भी घट सकती है। यानी कचरे को स्रोत और जल निकासी, दोनों स्तरों पर रोककर बाढ़ और नालों की सफाई का खर्च कम किया जा सकता है।

अगर कचरा प्रबंधन सही नहीं है, तो कोई भी शहर सिर्फ बड़े नाले बनाकर भी बाढ़ की समस्या नहीं सुलझा सकते हैं। इसलिए, जलवायु परिवर्तन के कारण जिस तरह से बारिश की तीव्रता बढ़ रही है, कचरा प्रबंधन को एक जरूरी जलवायु अनुकूलन बुनियादी ढांचा मानना चाहिए। अब बाढ़ से वही शहर सुरक्षित रह पाएंगे, जो बारिश आने से काफी पहले से अपने कचरे को नालों में जाने से रोक पाएंगे।

(लेखिका रिसर्च एनालिस्ट, सीईईडब्ल्यू)

संक्षिप्त समाचार

पुलिस सैनिक सम्मेलन सहित उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस कर्मियों को किया सम्मानित

चमकता राजस्थान/ देहरादून।(दीपक शर्मा बामनवास)। एसएसपी देहरादून ने पुलिस कर्मियों का सैनिक सम्मेलन आयोजित किया सम्मेलन में पुलिस कर्मियों की समस्याओ की जानकारी ली एवं समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले जनपद के 43 पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित किया गया। वरिष्ठ पुलिसअधीक्षक देहरादून द्वारा पुलिस कार्यालय देहरादून में पुलिस कर्मियों का सैनिक सम्मेलन लिया गया,सम्मेलन के दौरान एसएसपी देहरादून द्वारा उपस्थित पुलिस कर्मियों से उनकी समस्याओं की जानकारी लेते हुए उपस्थित अधिकारियों को उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिये गये। गोष्ठी के दौरान एसएसपी देहरादून द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले 43 पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया साथ ही भविष्य में भी इसी प्रकार अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन करने के लिये प्रेरित किया।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर धनारी (सिरोही) में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

चमकता राजस्थान/सांवलाराम चौधरी अरणाय/ जालौर / सिरोही , धनारी, राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर धनारी खेल मैदान में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें खो-खो, वॉलीबॉल, कबड्डी, रिले रेस और बेसबॉल खेल शामिल रहे।प्रतियोगिता में परशुराम गुरुकुल कोजरा, शिव शिक्षण संस्थान धनारी और गायत्री शिक्षण संस्थान नई जमीन की टीमों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में कुल 210 खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। कबड्डी में गायत्री संस्थान, खो-खो में परशुराम गुरुकुल और वॉलीबॉल व बेसबॉल में शिव शिक्षण संस्थान धनारी विजेता रही । रिले रेस में राहुल, सुरेश, ईश्वर , विराट, सोना बानू, खुशी देवासी , पलक लोहार , लक्ष्मी ऑजणा की टीम जीती। संयोजक नारायण लाल कलबी ने कहा की विद्यार्थियों के अनुशासन और भाईचारा की भावना विकसित होती है। पुरस्कार नेहरू युवा मंडल के प्रकाश सुथार व अर्जुन प्रजापत द्वारा दिए गए। प्रतियोगिता में बड़ी भूमिका निर्णायकों व टीम प्रभारियों की रही।इस दौरान खेल प्रेमी एवं सैकड़ो लोग ग्रामीण उपस्थित रहे।

रायसिंहनगरः गाँव 22 ढळऊमें गांव चलो, पांव चलो अभियान को लेकर बैठक आयोजित...!

चमकता राजस्थान/रायसिंहनगर। भीम आर्मी भारत एकता मिशन एवं आजाद समाज पार्टी (का.) की ओर से ग्राम पंचायत 22 पीटीडी में ''गांव चलो, पांव चलो'' अभियान को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संगठन को ग्राम स्तर पर मजबूत करने तथा आगामी पंचायती राज चुनावों को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान मदन नायक को ग्राम पंचायत अध्यक्ष नियुक्त किया गया। जिला अध्यक्ष सुनील आजाद ने उपस्थित ग्रामीणों एवं कार्यकर्ताओं को संगठन और पार्टी की विचारधारा के बारे में जानकारी दी। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को संगठन एवं पार्टी से जोड़ने तथा आगामी पंचायती राज चुनावों की तैयारियों को लेकर कार्यकर्ताओं से सक्रिय भूमिका निभाने का आ''ान किया। इस अवसर पर शचोपत भलुडिया, जिला कार्यकारिणी सदस्य, पवन मेघवाल, विधानसभा अध्यक्ष, राजेंद्र नायक, ब्लॉक अध्यक्ष, सिप्पी, देवाराम सुडिया, डॉ मूलचंद सैन, रघुवीर गोदारा, मुकेश मेघवाल, सूरज नायक, बूटा सिंह, हंसराज नायक, निमीलाल मेघवाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।
बैठक में संगठन के विस्तार, ग्राम स्तर पर कार्यकर्ताओं की भूमिका तथा आगामी चुनावों में मजबूत संगठनात्मक भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

आदर्श नवयुक संस्थान के चुनाव संपन्न हुए अध्यक्ष बने धनराज यादव संचालक बने विष्णु प्रकाश शर्मा

चमकता राजस्थान/रघुनंदन पारीक श्रीनगर/अजमेर। श्रीनगर आदर्श नवयुवक संस्थान की बैठक रविवार को संरक्षक रामकरण यादव की मौजूदगी में नालेश्वर महादेव मंदिर पर आयोजित की गई। बैठक में आगामी शारदीय नवरात्र में 11 अक्टूबर से रामलीला का आयोजन व दशहरे पर रावण दहन करने का निर्णय लिया गया। गौरतलब है कि पिछले 45 वर्षों से मंडल के कलाकारों की ओर से कस्बे में नवरात्र के दौरान भव्य रामलीला का आयोजन किया जाता रहा है। बैठक के दौरान संस्थान के वार्षिक चुनाव भी संपन्न हुए। सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद पर धनराज यादव को नियुक्त किया गया। उपाध्यक्ष पद पर महेश जांगिड़,संचालक पद पर सर्वसम्मति से विष्णु प्रकाश शर्मा, उपसंचालक दीपक शेरगढिया ,सचिव तेजपाल जोशी ,कोषाध्यक्ष शिव शंकर सिंह ,उप कोषाध्यक्ष प्रेम प्रकाश पार-ीक ,व्यवस्थापक प्रभु लाल महावर,उप व्यवस्थापक कन्हैया लाल आचार्य, दशहरा मेला कमेटी संयोजक पद पर रामधन यादव को नियुक्त किया गया।

समर्थ ज्ञान धारा फाउंडेशन का स्थापना महोत्सव एवं भव्य लोकार्पण समारोह गरिमापूर्ण सम्पन्न हुआ

चमकता राजस्थान

अविनाश शर्मा/जयपुर। समर्थ ज्ञान धारा फाउंडेशन का स्थापना महोत्सव एवं भव्य पुस्तक लोकार्पण समारोह अत्यंत गरिमामय वातावरण में गोपालपुरा बाईपास स्थित होटल ग्रैंड सफारी में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।
समारोह में फाउंडेशन की संस्थापिका निदेशक डॉ. बबीता वर्मा की काव्य कृति 'मन के झरोखे से 'और अध्यक्ष हिमाद्री 'समर्थ' की श्रृंगार रस की काव्य कृति ₹अभिसारः अहसासों की महक₹ के साथ ही दोनों द्वारा सम्पादित 71 कवयित्रियों के साझा काव्य-संकलन ₹धीराःसाहस भरी उड़ान₹ भव्य लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया।
राजस्थान की जानी मानी हस्तियों, दूरदर्शन से मीडिया कवरेज टीम, वरिष्ठ साहित्यकारों , पत्रकारों, की गरिमामयी उपस्थिति में लेखिका जीनस कंवर ने सरस्वती वंदना की और अतिथिगणों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित किया गया।
स्वागत भाषण में दीक्षा गोठवाल ने अतिथियों के जीवन परिचय की विस्तृत जानकारी देते हुए सभी का अभिनंदन किया। सभी अतिथियों का सम्मान शॉल, दुपट्टा , उपहार प्रदान कर किया गया।
समारोह में तीनों पुस्तकों का बारी बारी से लोकार्पण किया गया।
इसके बाद डॉ बबीता वर्मा ने 'मन के झरोखे' और अपनी लेखन प्रक्रिया के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि परिवार का माहौल साहित्यिक होने की वजह से हम बहनें बचपन से कविता लेखन से जुड़ी रहीं।
डॉ बबीता वर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा कि समर्थ ज्ञान धारा फाउंडेशन का उद्देश्य केवल पुस्तकें प्रकाशित करना या कार्यक्रम आयोजित करना नहीं है। बल्कि संस्था का ये प्रयास है कि भविष्य में काव्य गोष्ठियों, साहित्यिक संवाद, पुस्तक चर्चाओं, साहित्यिक कार्यशालाओं और नई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने वाला एक सशक्त केंद्र बने।
डॉ वर्मा ने अपनी कृति के बारे में बताया कि 'मन के झरोखे से' हृदय की अनुभूतियों का संग्रह है। इसमें माता-पिता के प्रति कृतज्ञता, रिश्तों, नारी शक्ति, सामाजिक संवेदना, देशप्रेम, प्रकृति और जीवन के अनुभवों को शब्दों में पिरोया गया है।
काव्य संग्रह 'अभिसारः अहसासों की महक' की रचना प्रक्रिया बताते हुए कवयित्री हिमाद्री समर्थ ने कहा कि ये श्रृंगार की कविताएं मन के भावों की अभिव्यक्ति है।
हिमाद्री समर्थ ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए बताया कि वे लगभग पंद्रह वर्षों से साहित्य से जुड़ी हैं। साहित्य की हर विधा पर उनकी कलम चली है। आज अपनी संस्था के पहले आयोजन को लेकर वे बेहद उत्साहित रही। उन्होंने कहा कि देश दुनिया समाज के लिए कुछ करने का जज्बा या सामर्थ्य तो सभी में होता है लेकिन उस सामर्थ्य को उपयोग में लाने के लिए प्रोत्साहन की आवश्यकता होती है। दुनिया की आधी आबादी, महिला शक्ति को यदि यह प्रोत्साहन मिलता है तो दुनिया की तस्वीर बदलते देर नहीं लगेगी जहां पर सब समानता के भाव से एक दूसरे के सहयोगी बनेंगे। ऐसी ही कल्पना समर्थ ज्ञान धारा फाउंडेशन ने की है। साहित्य के माध्यम से सबका हित साधने का प्रयास रहेगा हमारा। हमारे पहले ही आयोजन में शहर की जानी मानी हस्तियों ने कार्यक्रम में शिरकत की यह सिद्ध करता है कि समर्थ ज्ञान धारा फाउंडेशन को सबका पूर्ण समर्थन है।
अपनी कृति अभिसारः अहसासों की महक पर चर्चा करते हुए अपने पंद्रह वर्षों के साहित्यिक अनुभवों को साझा किया। संस्थान के कार्यों के विषय में जानकारी देते हुए अपने बताया कि जल्द ही संस्था द्वारा अपनी साहित्यिक पत्रिका का प्रकाशन भी होगा। सबका साथ सबका विकास और महिलाओं का, महिलाओं द्वारा, सर्वांगीण विकास हो ऐसी कोशिश संस्थान की रहेगी।
लेखिकाओं के मन के उद्गार के पश्चात साझा संकलन की सभी रचनाकारों का सम्मान मैडल पहनाकर पुस्तकें भेंट कर किया गया।
इसके बाद शहर की सभी वरिष्ठ हस्तियों का सम्मान भी किया गया।
कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सत्यनारायण रहे।
अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार एवं चिंतक श्री हरीश बी. शर्मा ने की।
विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व कार्यक्रम प्रमुख (आकाशवाणी) श्रीमती रेशमा खान उपस्थित रहीं।
कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि आकाशवाणी के पूर्व कार्यक्रम अधिकारी रेशमा खान ने समर्थ ज्ञान धारा की स्थापना को रचनात्मकता का एक नया पड़ाव बताते हुए कहा कि स्त्री लेखन सही अर्थों में यथार्थ लेखन होता है, क्योंकि स्त्रियों के पास अनुभूतियों का खजाना होता है। इस दृष्टि से 'धीरा : अहसासों की महक' को समकालीन स्त्री स्वर का प्रमाणिक स्वर कहा।
कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार डॉ.सत्यनारायण ने कहा कि सहजता की साहित्य लेखन का सार है। जटिल जीवन को समझने के लिए सरल रास्ते ही अपनाए जाते हैं। अपनी उन्होंने कहा कि अनुभूतियों को ईमानदारी से बगैर किसी की छाया के लिखते रहना ही मौलिक लेखन की कुंजी है।

पूर्व सभापति राकेश भाटी का कांग्रेस में जोरदार स्वागत, सैकड़ों कार्यकर्ता रहे मौजूद

चमकता राजस्थान

ब्यूरो चीफ जेके बावल। पाली, पूर्व सभापति राकेश भाटी के भाजपा छोड़कर कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करने के बाद रविवार को जयपुर से पाली पहुंचने पर राजीव गांधी स्मृति भवन कांग्रेस कार्यालय में उनका एवं उनके समर्थकों का भव्य स्वागत किया गया। कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने माला, साफा एवं पार्टी का दुपट्टा पहनाकर उनका अभिनंदन किया।
जिला कांग्रेस प्रवक्ता मांगु सिंह दुदावत ने बताया कि कार्यक्रम में पाली विधायक भीमराज भाटी, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शिशुपाल सिंह निम्बाड़ा, शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष हकीम भाई, प्रदेश कांग्रेस सचिव भुराराम सीरवी, जिला संगठन महासचिव जोगाराम सोलंकी एवं प्रदीप हिंगड़ सहित कई कांग्रेस नेता मौजूद रहे।
विधायक भीमराज भाटी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा में कार्यकर्ताओं की कद्र नहीं है। उन्होंने राकेश भाटी के पुराने संघर्षों का जिक्र करते हुए कहा कि अकाल के समय पाली की पानी की समस्या को लेकर वे पैदल जयपुर गए थे। विधायक ने आरोप लगाया कि इसके बाद उन पर दबाव बनाया गया और उन्हें भाजपा से निष्कासित करवा दिया गया।
जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह निम्बाड़ा ने राकेश भाटी को जमीन से जुड़ा नेता बताते हुए कहा कि उनके कांग्रेस में आने से संगठन को मजबूती मिलेगी। वहीं राकेश भाटी ने भाजपा पर जनता को भ्रमित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस 36 कौम को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है और कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर उन्हें खुशी हो रही है। उन्होंने आगामी नगर निगम चुनाव में कांग्रेस का बोर्ड बनाने के लिए पूरी ताकत से काम करने की बात कही।
कार्यक्रम के दौरान शिवसेना प्रमुख सोहन सिंह राव एवं रविन्द्र बंजारा ने भी कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। दोनों का भी माला, साफा एवं कांग्रेस का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने राकेश भाटी के कांग्रेस में शामिल होने पर खुशी जताई और आगामी नगर निकाय चुनाव में एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन जोगाराम सोलंकी ने किया।

रक्षाबंधन पर्व – प्रकृति की रक्षा का संकल्प

चमकता राजस्थान/महेश कुमार बिड़ला /मीडिया प्रभारी मांडल भीलवाड़ा। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर निर्मल छाया परिवार की ओर से पौधों को रक्षा सूत्र बाँधकर एक अनूठे एवं प्रेरणादायक तरीके से रक्षाबंधन पर्व मनाया गया।

इस अवसर पर सभी सदस्यों ने पेड़-पौधों की रक्षा एवं सुरक्षा करने का संकल्प लिया। पौधों की अच्छी वृद्धि एवं स्वस्थ विकास के लिए कीटनाशक का छिड़काव भी किया गया, ताकि पौधे सुरक्षित रहें और उन्हें किसी प्रकार का नुकसान न पहुँचे।
प्रकृति हमारी धरोहर है–
पेड़ बचेंगे, तो जीवन बचेगा।
इस पुनीत अवसर पर निर्मल छाया परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे और प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया

सिंडोली-कालोता के पास मोटर साईकिल को बचाने के चक्कर में पत्थरों से भरा ट्रक पलटा, बड़ा हादसा होने से टला

रिवेन्द्र कुमार शर्मा/दौसा। कुण्डल तहसील मुख्यालय क्षेत्र के गांव सिंडोली में एक्सप्रेसवे पुलिया के पास रविवार को पत्थरों से भरा एक ट्रक मोटर साईकिल को बचाने के चक्कर में ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बाजरे के खेत में पलट गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।
जानकारी के अनुसार ट्रक रामबास से पत्थर भरकर दौसा की ओर जा रहा था। इसी दौरान सिंडोली- एक्सप्रेसवे पुलिया के पास चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और ट्रक सड़क से नीचे उतरकर बाजरे के खेत में पलट गया। कोलवा थाना पुलिस मौके पर पहुँची, प्रारंभिक जानकारी में हादसे की वजह ओवरस्पीड और चालक के नशे में होने की बात सामने आ रही है। हालांकि हादसे के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है।
गनीमत रही कि हादसे के समय सड़क पर कोई अन्य वाहन या स्कूली बच्चे मौजूद नहीं थे। रविवार को छुट्टी का दिन होने के कारण बड़ा हादसा टल गया। दुर्घटना में ट्रक चालक भी सुरक्षित बच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली और मामले की जांच शुरू कर दी।

शक्ति सखी मंडल का 'लहरिया उत्सव 2026' धूमधाम से संपन्न, रैंप वॉक और डांस पर जमकर झूमीं महिलाएं

चमकता राजस्थान

अजमेर / मोहम्मद इरफान अंसारी। अजमेर मे शक्ति सखी मंडल द्वारा आयोजित भव्य 'लहरिया उत्सव बुधवार को बड़े ही उत्साह,उमंग और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। ₹लहरिया के रंग झ शक्ति सखी मंडल के संगर थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में शहर की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और संपूर्ण परिसर राजस्थानी संस्कृति के सुंदर रंगों में सराबोर नजर आया। उत्सव में सभी महिलाएं खूबसूरत पारंपरिक लहरिया परिधानों में सज-धजकर पहुंचीं। पूरे कार्यक्रम के दौरान सहेलियों का उत्साह देखने लायक था, जहां महिलाएं एक-दूसरे के साथ सेल्फी लेतीं और इस हसीन पल को अपने कैमरों में कैद करती नजर आईं।
कार्यक्रम में मनोरंजन का दौर शुरू होते ही महिलाओं ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं के रैंप वॉक ने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। इसके बाद सोलो डांस और ग्रुप डांस की एक से बढ़क-र एक मनमोहक प्रस्तुतियों ने पूरे हॉल में समां बांध दिया। महिलाओं ने हाउजी गेम्स का भी जमकर लुत्फ उठाया और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।
कार्यक्रम के सफल समापन पर आयोजक सोनिया वर्मा,मोनिका गर्ग और कुसुम सिसोदिया ने इस उत्सव को यादगार बनाने के लिए उपस्थित सभी महिलाओं का सहृदय आभार व्यक्त किया।

सरमथुरा में निकाय चुनाव को लेकर कलेक्टर-एसपी ने ली बैठक

चमकता राजस्थान

धौलपुर संवाददाता रामदास तरुण। सरमथुरा धौलपुर राजस्थान। आगामी नगर पालिका चुनाव को लेकर सरमथुरा में प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। निकाय चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी एवं पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान सरमथुरा उपखंड कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने उपखंड सभागार में आमजन एवं स्थानीय नागरिकों के साथ बैठक की। बैठक का आयोजन आगामी नगर पालिका चुनाव के मद्देनजर किया गया। इस दौरान उपखंड अधिकारी राकेश न्योल एवं पुलिस उपाधीक्षक दुलीचंद गुर्जर सहित विभिन्न समाजों के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। बैठक में जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन की ओर से आमजन से आगामी चुनाव में शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया में सहयोग करने की अपील की गई। अधिकारियों ने कहा कि लोकतंत्र के इस महत्वपूर्ण पर्व को शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराना प्रशासन की प्राथमिकता है, और इसके लिए आमजन का सहयोग आवश्यक है। इस दौरान चुनाव के समय कानून-व्यवस्था बनाए रखने, सामाजिक सौहार्द कायम रखने तथा सभी वर्गों की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सहभागिता सुनिश्चित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। प्रशासनिक अधिकारियों ने आमजन से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें, तथा चुनाव के दौरान शांति एवं भाईचारा बनाए रखें।
बैठक में उपस्थित स्थानीय नागरिकों एवं विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों ने भी प्रशासन के समक्ष चुनाव से जुड़े विभिन्न मुद्दों को रखा। नागरिकों ने आगामी निकाय चुनाव को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने की मांग की।
जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी एवं पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने आमजन की बात सुनते हुए आवश्यक सहयोग एवं व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा चुनाव प्रक्रिया को व्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था बिगाड़ने अथवा सामाजिक सौहार्द खराब करने का प्रयास करने वाले तत्वों पर प्रशासन एवं पुलिस की कड़ी नजर रहेगी।आमजन से लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करते हुए, शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने में प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गई।

संक्षिप्त समाचार

दौसा भाजपा के उम्मीदवारों की रविवार को की जाएगी घोषणा,भाजपा का बोर्ड बनाकर ही यहाँ से जाऊँगी:पूजा कपिल

चमकता राजस्थान/दौसा।(दीपक शर्मा बामनवास) भाजपा ने दौसा निकाय में आवेदनों की छँटनी के बाद लगभग 40 वार्डो में एक नाम पर सहमति बन चुकी है,बाक़ी बचे 15 वार्डों में मंथन चल रहा है रविवार को सभी 55 वार्ड के अधिकृत उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए जाएँगे।राष्ट्रीय महामंत्री महिला मोर्चा एवं दौसा निकाय प्रभारी पूजा कपिल ने भाजपा कार्यकर्ताओं से एक जुट होकर पार्टी के लिए काम करने का आ''ान किया।

उन्होंने कहा भाजपा के पक्ष में बहुत दिनों बाद ऐसा माहौल देखने को मिला है,जनता का रूख स्पष्ट रूप से भाजपा के पक्ष में झुका हुआ है,और पार्टी की जीत तय मानी जा रही हैं,उन्होंने कहा की जीत कों और मजबूत बनाने के लिए टिकट का आधार प्रत्याशी की जीत की संभावना होनी चाहिए,हमनें मजबूत प्रत्याशी मेदान में उतारे हैं टिकट कों लेक र व्यक्तिगत मतभेद हो सकते हैं लेकिन पार्टी हित सर्वोपरी है,जिस प्रत्याशी को भी टिकट मिले प्रत्येक कार्यकर्ता को उसके लिए पूरी ताकत से मेहनत करनी चाहिए।

जिला मीडिया प्रभारी प्रेम हरितवाल ने बताया भाजपा ने महिलाओं एवं युवाओं को 50 प्रतिशत से भी अधिक उम्मीदवारो को मौका दिया है,हम सभी मिलकर भाजपा की ऐतिहासिक जीत के साथ ट्रिपल इंजन की सरकार बनाकर ही दम लेंगे।

पूर्व मंत्री श्रीमान सूरजपाल सिंह जी की 32 वी पुण्यतिथि

चमकता राजस्थान/भीनमाल जालोर संवादाता विष्णु दत्त व्यास। राजस्थान सरकार के पूर्व मंत्री श्री सूरजपाल सिंह जी की 32 वी पुण्यतिथि पर आज भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा रखी गई । जिसमें भीनमाल विधायक श्रीमान समरजीत सिंह जी राठौड़ , पूर्व पालिकाध्यक्ष श्रीमान प्रेमराज जी बोहरा वरिष्ठ कांग्रेसी नेता व शहर के क ई गणमान्य नागरिक श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित रहें। विधानसभा भीनमाल के क ई गांवों से लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

राजबाग में गूंजा मेघ महोत्सव का संदेश, समाजबंधुओं को दिया आयोजन में पहुंचने का न्योता

- शोभायात्रा, कलश यात्रा एवं स्वयंसेवकों की भागीदारी को लेकर बनाई रणनीति

चमकता राजस्थान/राजू भाई सागासनी/चीफ ब्यूरो जोधपुर। जोधपुर, 30 अगस्त। मेघ ऋषि जयंती एवं मेघ महोत्सव के आयोजन को लेकर रविवार को मेघवाल बस्ती राजबाग स्थित भेंवरा माताजी मंदिर में समाज की बैठक आयोजित हुई। बैठक में आगामी 16 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाले मेघ महोत्सव की तैयारियों एवं कार्यक्रम की रूपरेखा को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में ठेकेदार श्री कालूराम जी सोनेल एवं श्री रमेश जी पंवार, फ्भर ने उपस्थित समाज के गणमान्यजनों को महोत्सव के आयोजन की विस्तृत जानकारी दी तथा अधिकाधिक संख्या में समाजबंधुओं से महोत्सव में पधारने का आह्वान किया।

महोत्सव की शोभायात्रा में शामिल होने वाली कलश यात्री महिलाओं, मोटरसाइकिल सवारों एवं स्वयंसेवकों की सूची 30 अगस्त शाम 5 बजे तक ठेकेदार श्री कालूराम जी सोनेल को उपलब्ध करवाने के लिए कहा गया। बैठक में मेघवाल बस्ती राजबाग के संत श्री रिख जी महाराज, श्री चेतन जी दईया, श्री नारायण लाल जी भाटी, श्री चेतन प्रकाश जी सेजू, ढगलाराम जी दईया, श्री शिव जी भाटी, श्री गोरधन जी सेजू सहित मातृशक्ति से श्रीमती कमला देवी, श्रीमती दुर्गा देवी, श्रीमती संजू, श्रीमती सोहनी बाई, श्रीमती मंछा देवी, श्रीमती रेखा, श्रीमती नत्थू देवी आदि उपस्थित रहे।

बस्ती के उपस्थित प्रबुद्धजनों ने मेघ महोत्सव में भारी संख्या में भाग लेने का विश्वास दिलाया तथा आयोजन को सफल बनाने में सहयोग का भरोसा दिया।

अपने कार्यों और विकास से विपक्ष की नकारात्मकता का जवाब दें

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नगर निकाय चुनाव में आवेदनकर्ताओ को वीसी के जरिये संबोधित किया

चमकता राजस्थान

जयपुर, 30 अगस्त 2026। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नगर निकाय के चुनाव को लेकर रविवार को आवेदनकर्ताओं के साथ वीसी के माध्यम से बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह स्थानीय निकाय चुनाव बीजेपी की विचारधारा, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प और राजस्थान को विकसित एवं समृद्ध प्रदेश बनाने के हमारे संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का अवसर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय निकाय लोकतंत्र की सबसे पहली सीढ़ी है। इन चुनावों में हमारी सबसे बड़ी ताकत कार्यकर्ता और जनता के साथ हमारा आत्मीय

भाजपा के कार्यकर्ताओं को बताया पार्टी की सबसे बड़ी ताकत

संबंध है। उन्होंने कहा कि भाजपा में व्यक्ति से बड़ा संगठन है, संगठन से बड़ा विचार है और विचार से बड़ा राष्ट्र है तथा पार्टी कार्यकर्ता के परिश्रम को देखती है, समर्पण को पहचानती है और उसके योगदान को कभी भूलती नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान की राजनीति और विकास में महिलाओं की भूमिका लगातार मजबूत हो रही है। हमारी सरकार ने महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा, आर्थिक सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। आज हमारी बहनें स्वयं सहायता समूहों से जुड़ रही हैं, लखपति दीदी बन रही हैं और परिवार के साथ-साथ प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती दे रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यकर्ता सरकार के काम को घर-घर पहुंचाएं और जनता के बीच काम का हिसाब और विकास का संदेश दें। पानी, बिजली, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, किसान कल्याण सहित हर क्षेत्र में हमारी सरकार ने काम किया है। इसलिए कार्यकर्ता अपने-अपने वार्ड में बूथ स्तर तक मजबूत जनसंपर्क अभियान चलाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यकर्ता सरकार के कार्यों और योजनाओं को सोशल मीडिया के जरिये जन-जन तक पहुंचाएं। फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम, व्हाट्सऐप और दूसरे डिजिटल माध्यमों का उपयोग जनसेवा और जनसंवाद के लिए करें। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को विपक्ष की नकारात्मकता का जवाब अपने काम और अपने विचार से देना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में केन्द्र की योजनाओं और राज्य सरकार की नीतियों के बीच बेहतर समन्वय से विकास को नई गति मिली है। हमारा प्रयास है कि राजस्थान केवल देश के अग्रणी राज्यों में शामिल न हो, बल्कि विकसित भारत के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का नेतृत्व हमारा मार्गदर्शन है। हमारा संगठन हमारी ताकत है, हमारा कार्यकर्ता हमारी शक्ति है और हमारी मातृशक्ति हमारी प्रेरणा है। हम सब मिलकर संकल्प लें कि संगठन को मजबूत करेंगे और कमल के फूल को विजयी बनाएंगे।

नर्सिंग एसोसिएशन की आमसभा एवं सवामणी भोज 5 सितंबर को, तैयारियां जोरों पर

चमकता राजस्थान

जोधपुर ,चंद्रप्रकाश मेघवाल। राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन जिला शाखा जोधपुर के तत्वावधान में नर्सिंग संवर्ग की आमसभा एवं सवामणी भोज का आयोजन 5 सितंबर 2026 को करणी माता मंदिर, मेडिकल कॉलेज परिसर, जोधपुर में किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं तथा नर्सिंग ऑफिसर्स में खासा उत्साह है।

राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन जिला शाखा जोधपुर के जिलाध्यक्ष जगदीश जाट एवं महासचिव बसंत रोयल ने बताया कि कार्यक्रम में मेडिकल कॉलेज के अधीन संचालित सभी अस्पतालों में कार्यरत नर्सिंग ऑफिसर्स भाग लेंगे। आमसभा के दौरान नर्सिंग

संवर्ग से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा एवं विचार-विमर्श किया जाएगा।

कार्यक्रम के तहत 5 सितंबर की शाम करणी माता मंदिर प्रांगण में भव्य भजन संध्या का आयोजन भी किया जाएगा। भजन संध्या में मुख्य कलाकार कुलदीप ओझा और उनकी टीम के सहायक कलाकार होंगे। ये सभी कलाकार इस शाम मन्दिर प्रांगण में अपनी प्रस्तुतियां देकर भक्ति संगीत की सुरमयी छटा बिखेरेंगे।

आमसभा, सवामणी भोज एवं भजन संध्या को सफल बनाने के लिए एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता तैयारियों में जुटे हुए हैं। राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन जोधपुर के महासचिव बसंत रोयल, संरक्षक रामेश्वर टाक, एसोसिएशन के एम डी एम अस्पताल संयोजक प्रियतम चौहान एवं मनीष राजपुरोहित ने आज मथुरादास माथुर अस्पताल में विभिन्न विभागों के नर्सिंग ऑफिसर्स से सम्पर्क कर उन्हें कार्यक्रम में आने का निमंत्रण पत्र दिया तथा नर्सिंग ऑफिसर्स से अधिकाधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने का आ''ान किया। वहीं उम्मेद अस्पताल में अस्पताल संयोजक महेन्द्र ढिडा एवं दीनू जोशी ने वार्ड टू वार्ड सम्पर्क किया है। साथ ही अन्य अस्पतालों में भी एसोसिएशन पदाधिकारियों ने नर्सिंग ऑफिसर्स से सम्पर्क कर अधिकाधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने का आह्वान किया है। आयोजन के माध्यम से नर्सिंग ऑफिसर्स को एक मंच पर लाकर आपसी एकजुटता, भाईचारे एवं संगठनात्मक भावना को मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा।

ठाणे महापौर वर्षा मैराथन में अव्यवस्था का विरोध; बाल खिलाड़ियों के अपमान पर केदार दिघे का आक्रोश

मेडल नहीं मिलने पर नन्हे खिलाड़ियों को सड़क पर धरना देना पड़ा; दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

चमकता राजस्थान

अरविंद कोठारी/ठाणे। ठाणे महानगरपालिका की ओर से आयोजित 'महापौर वर्षा मैराथन' में बाल खिलाड़ियों को पदक नहीं मिलने के मामले को लेकर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पक्ष के ठाणे जिला प्रमुख केदार दिघे ने तीखा आक्रोश व्यक्त करते हुए महानगरपालिका प्रशासन के कामकाज का विरोध किया है।

मैराथन में बड़े उत्साह के साथ शामिल हुए नन्हे खिलाड़ियों ने अपनी दौड़ पूरी की। हालांकि, आयोजन में कथित तौर पर उचित नियोजन नहीं होने के कारण उन्हें उनका हक का मेडल नहीं मिल सका। पदक के लिए इन नन्हे खिलाड़ियों को

सड़क पर धरना देना पड़ा, यह बेहद गंभीर और शर्मनाक घटना है, ऐसा केदार दिघे ने कहा।

उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के विभिन्न स्तरों पर नागरिक पहले से ही कई समस्याओं से परेशान हैं। ऐसे में खेल क्षेत्र और खासकर छोटे बच्चों के मामले में इस तरह की लापरवाही प्रशासन के ढीले-ढाले कामकाज को दर्शाती है।

''सत्ताधारी और महानगरपालिका प्रशासन केवल इवेंटबाजी और प्रचार में व्यस्त है, जबकि मैदान पर खिलाड़ियों का मजाक उड़ाया जा रहा है,'' ऐसा आरोप केदार दिघे ने लगाया।

उन्होंने मांग की कि इस पू-रे मामले की नैतिक जिम्मेदारी ठाणे महानगरपालिका को स्वीकार करनी चाहिए और यह घटना किसकी लापरवाही के कारण हुई, इसकी तत्काल जांच की जानी चाहिए। दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के साथ ही सभी बाल खिलाड़ियों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगकर उनके पदक सम्मानपूर्वक उनके घर तक पहुंचाए जाएं, ऐसी मांग भी उन्होंने की।

प्रशासन की ओर से इस मामले में देरी किए जाने पर अव्यवस्था के खिलाफ और अधिक तीव्र आंदोलन छेड़ने की चेतावनी भी केदार दिघे ने दी है।

'प्रगति की दौड़... गतिशील ठाणे!' 32वीं ठाणे महापौर वर्षा मैराथन उत्साह के साथ संपन्न

- उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के हाथों मैराथन को हरी झंडी; सांसद नरेश म्हस्के ने आयोजकों की सराहना की

चमकता राजस्थान/अरविंद कोठारी/ठाणे : ठाणे शहर की पहचान बन चुकी 'ठाणे महापौर वर्षा मैराथन' अपने 32वें वर्ष में बड़े उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुई। शिवसेना के मुख्य नेता तथा राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनकी पत्नी लतावाहिनी एकनाथ शिंदे के हाथों झंडी दिखाकर मैराथन की शुरुआत की गई। इस अवसर पर एकनाथ शिंदे ने स्वयं मैराथन में दौड़कर हिस्सा लिया और प्रतियोगियों का उत्साह बढ़ाया। विभिन्न वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतियोगियों के लिए लाखों रुपये के पुरस्कार रखे गए थे। इसके चलते प्रतियोगियों में खासा उत्साह देखने को मिला।

सांसद नरेश म्हस्के ने कहा कि इस मैराथन के साथ उनका रिश्ता आज का नहीं, बल्कि उनके कॉलेज जीवन से जुड़ा हुआ है। स्वयंसेवक के रूप में इस प्रतियोगिता के आयोजन में शामिल होने से शुरू हुआ उनका सफर नगरसेवक और अब सांसद बनने तक लगातार जारी रहा है। इसलिए वर्षों से इस प्रतियोगिता के बदलते और लगातार भव्य होते स्वरूप को देखकर उन्हें विशेष खुशी होती है।

इस वर्ष मैराथन के उत्कृष्ट आयोजन और बेहतर नियोजन के लिए ठाणे की महापौर शर्मिला पिंपळोळकर का अभिनंदन किया गया। साथ ही पूरी आयोजक टीम की मेहनत और शानदार आयोजन के लिए उनकी सराहना की गई। ठाणे शहर की स्वस्थ, उत्साही और गतिशील प्रगति का प्रतीक बन चुकी यह मैराथन हर वर्ष और भी बड़े एवं भव्य स्वरूप में आयोजित हो, ऐसी अपेक्षा सांसद नरेश म्हस्के ने व्यक्त की। उन्होंने सभी प्रतियोगियों, आयोजकों, स्वयंसेवकों और ठाणेकरों को मनःपूर्वक शुभकामनाएं दीं।

राजस्थान पुलिस जिला दौसा के द्वारा आगामी नगरपालिका चुनाव के मद्देनजर दौसा शहर में पुलिस का फ्लैग मार्च

- निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त मतदान का दिया संदेश

चमकता राजस्थान/रिवेन्द्र कुमार शर्मा/दौसा जिले में आगामी नगरपालिका चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने तथा शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दौसा श्री शंकर लाल मीणा के नेतृत्व में दौसा शहर में पुलिस द्वारा फ्लैग मार्च किया गया।

फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने शहर के प्रमुख मार्गों, बाजारों, मतदान केंद्रों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल मार्च कर आमजन को पुलिस की सुदृढ़ एवं मुस्तैद सुरक्षा व्यवस्था का संदेश दिया। पुलिस अधिकारियों ने आमजन से निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने तथा शांतिपूर्ण वातावरण में मतदान करने की अपील की।

पुलिस ने आमजन से अपील की कि चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें तथा सोशल मीडिया पर भ्रामक, आपत्तिजनक अथवा भड़काऊ सामग्री प्रसारित करने से बचें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या कानून-व्यवस्था संबंधी सूचना की जानकारी तत्काल पुलिस को देने की अपील की गई।

राजस्थान पुलिस जिला दौसा निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने के लिए पूरी तरह सतर्क एवं प्रतिबद्ध है। आमजन से चुनाव प्रक्रिया के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस-प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गई।

इस दौरान उप पुलिस अधीक्षक श्री कपिल गुप्ता,सहित पुलिस अधिकारी एवं बड़ी संख्या में पुलिस जवान मौजूद रहे।

देश में अमन-चैन और खुशहाली की दुआ लेकर 430 किलोमीटर पैदल चलकर अजमेर पहुंचे मोहम्मद फहीम

चमकता राजस्थान

मोहम्मद इरफान अंसारी/ अजमेर। देश में अमन-चैन, आपसी भाईचारे और खुशहाली की दुआ लेकर मोहम्मद फहीम ने करीब 430 किलोमीटर की पैदल यात्रा पूरी कर अजमेर पहुंचकर विश्व प्रसिद्ध सूफी संत हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह शरीफ में हाजिरी दी। उन्होंने दरगाह में मजार-ए-मुबारक पर अकीदत के फूल और चादर पेश कर देश की तरक्की, खुशहाली तथा सामाजिक सद्भाव के लिए विशेष दुआ मांगी।

अजमेर पहुंचने पर सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने मोहम्मद फहीम का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान उन्हें फूल मालाएं पहनाकर सम्मानित किया गया। स्वागत कार्यक्रम के बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए अपनी पैदल यात्रा के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी।

मोहम्मद फहीम ने बताया कि उन्होंने यह यात्रा किसी व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि देश में अमन-चैन और खुशहाली की कामना को लेकर शुरू की थी। यात्रा के दौरान लोगों से मुलाकात कर आपसी भाईचारे और सौहार्द का संदेश भी दिया गया। उन्होंने कहा कि देश में हिंदू, मुस्लिम सहित सभी धर्मों के लोग आपसी प्रेम और भाईचारे के साथ मिल-जुलकर रहें तथा एक-दूसरे की खुशियों और दुखों में सहभागी बनें, यही उनकी यात्रा का मुख्य उद्देश्य रहा।

उन्होंने कहा कि भारत की खूबसूरती इसकी गंगा-जमुनी तहजीब और विभिन्न धर्मों के लोगों के बीच आपसी भाईचारे में है। दरगाह शरीफ पहुंचकर उन्होंने ख्वाजा गरीब नवाज की बारगाह में देश की एकता, अखंडता, अमन और खुशहाली के लिए दुआ की।

इस अवसर पर मौजूद सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मोहम्मद फहीम की 430 किलोमीटर की पैदल यात्रा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज में भाईचारे और सद्भाव का संदेश मजबूत करते हैं।

ईरान की खाड़ी देशों को खुली धमकी

अमेरिका की मदद की तो छोड़ेंगे नहीं...

तेहरान।

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव जारी है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर दोनों देश आमने-सामने हैं। इस बीच तेहरान ने खाड़ी देशों को खुली धमकी दी है। उसका कहना है कि अमेरिका को मदद करने वाले देशों को छोड़ेंगे नहीं। ईरान के चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल अली अब्दुल्लाही ने बुधवार को चेतावनी दी कि फारस की खाड़ी के दक्षिणी तट पर स्थित देशों को अमेरिकी सैन्य बलों को किसी भी प्रकार की सहायता या सुविधा नहीं देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि तेहरान क्षेत्रीय ठिकानों पर सैन्य गतिविधियों पर कड़ी नजर रख रहा है। आईआरआईबी के टेलीग्राम चैनल के अनुसार, अब्दुल्लाही ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि फारस की खाड़ी के दक्षिणी तट पर स्थित जिन देशों ने विभिन्न बयान जारी कर यह घोषणा की है कि वे संयुक्त राज्य अमेरिका को ईरान के खिलाफ अपने क्षेत्रों का उपयोग करने की अनुमति नहीं देंगे, उन्हें यह पता होना चाहिए कि हमारी आंखों से कुछ भी छिपा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि क्षेत्रीय ठिकानों पर तैनात 'सैन्य विमानों' की उपस्थिति मेजबान देशों की जानकारी के बिना संभव नहीं है। अब्दुल्लाही ने कहा कि ऐसा प्रतीत नहीं होता कि इतनी बड़ी संख्या में सैन्य विमान, विशेष रूप से ईंधन भरने वाले विमान, मेजबान देशों की जानकारी के बिना क्षेत्रीय ठिकानों पर तैनात किए जाएंगे। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि हम चेतावनी देते हैं कि अमेरिकी सेना को किसी भी प्रकार की सहायता या सुविधा प्रदान करना अमेरिकी सैन्य बलों के साथ भागीदारी के बराबर है। और इसका अंजाम भुगतना पड़ेगा। बता दें कि यह चेतावनी उस समय आई है जब ईरान क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रख रहा है। अब्दुल्लाही को हाल ही में ईरान के सर्वोच्च नेता और सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ अयातुल्ला अली खामेनेई ने सशस्त्र बलों का चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त किया था। 10 अगस्त को खामेनेई ने सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर और बासिज रेजिस्टेंस फोर्स में छह वरिष्ठ कमांडरों को महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया था। अलग-अलग आदेशों में अब्दुल्लाही को चीफ ऑफ स्टाफ और कि उमर्स हेदारी को डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ बनाया गया।

ममता बनर्जी को एक और बड़ा झटका!

● सीएम शुभेंदु के आदेश पर पुलिस का एक्शन

कोलकाता। कोलकाता पुलिस ने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और पश्चिम बंगाल के टीएमसी छात्र परिषद के आयोजकों के खिलाफ केस दर्ज किया है. 28 अगस्त को कैथेड्रल रोड पर संगठन के स्थापना दिवस प्रोग्राम के दौरान कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के कथित उल्लंघन को लेकर मामला दर्ज किया गया है. पुलिस ने आरोप लगाते हुए कहा है कि समर्थकों ने बैरिकेड्स हटा दिए. पुलिसकर्मियों के साथ धक्का मुक्की की. ट्रैफिक में बाधा डाली. कोर्ट की तरफ से तय समय के बाद भी कार्यक्रम जारी रखा. मामला बीएनएस की धाराओं के तहत दर्ज किया गया है.

बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के आदेश पर कोलकाता पुलिस ने हेस्टिंग्स पुलिस स्टेशन ने स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया है. पुलिस के मुताबिक, ममता बनर्जी और डब्लूबीटीएमसीपी के आयोजकों ने कथित तौर पर आपराधिक साजिश रची और कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश का उल्लंघन किया है. पुलिस का आरोप है कि समर्थकों ने बैरिकेड्स हटा दिए. कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात कर्मियों के साथ धक्का मुक्की की. अफरातफरी का माहौल बनाया. कैथेड्रल रोड के एक हिस्सा पर ट्रैफिक बाधित किया. पुलिस ने पूरे मामले में केस दर्ज करते हुए आरोप लगाया कि समर्थकों ने बैरिकेड्स हटा दिए. कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात कर्मियों से धक्का मुक्की की. अफरातफरी का माहौल बनाया. कैथेड्रल रोड के एक हिस्से पर ट्रैफिक बाधित किया. यह मामला बीएनएस की धाराओं 61(2)/223/125()/132/285 के तहत हेस्टिंग्स पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है. कोलकाता हाईकोर्ट ने 28 अगस्त की मीटिंग के लिए साफ निर्देश दिए थे कि भीड़ 1500 लोगों की हो, और सड़क का एक हिस्सा ट्रैफिक के लिए खुला रखा जाए. लेकिन ममता बनर्जी और उनकी कानून तोड़ने की आदत, वे जनता को बैरिकेड तोड़ने और सड़क व ट्रैफिक जमा करने के लिए

ताशकंद के लिए रवाना हुए पीएम मोदी, भारत के लिए बेहद अहम है शहर

नयी दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को ताशकंद के लिए रवाना हो गए हैं। 29 अगस्त से 1 सितंबर तक वह उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान के दौरे पर हैं। इस दौरान वह एससीओ के 26वें शिखर सम्मेलन में भी हिस्सा ले रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद ही बताया कि यह दौरा कितना अहम है। उन्होंने कहा कि उज़्बेकिस्तान तथा किर्गिज़ गणराज्य की उनकी यात्रा से मध्य एशिया में भारत की रणनीतिक साझेदारी मज़बूत होंगी और शांति, स्थिरता तथा समृद्धि के साझा प्रयासों को बल मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबसे पहले ताशकंद पहुंचेंगे। यहां वह राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। यह शहर भारत के इतिहास में बहुत मायने रखता है। वहीं इससे एक दुखद

घटना भी जड़ी हुई है। इसी शहर में पूर्व प्रदानमंत्री लालबहादुर शास्त्री जी का निधन हुआ था। पाकिस्तान के साथ 1965 की जंग के बाद ताशकंद में ऐतिहासिक समझौता हुआ था। 10 जनवरी 1966 को ताशकंद में समझौता किया गया और तोड़ी ही देर बाद भारत को एक बड़ा जख्म मिला। उस वक्त ताशकंद सोवियत यूनियन में था। इस वार्ता में तत्कालीन प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री और पाकिस्तान के राष्ट्रपति मोहम्मद अयूब खान पहुंचे थे।वहीं सोवियत संघ के प्रधानमंत्री एलेक्सेई कोजिगिन ने मध्यस्थता की थी। चार दिन के दौरे पर रवाना होने से पहले पीएम मोदी ने कहा, ,हाल के वर्षों में भारत-उज़्बेकिस्तान रणनीतिक साझेदारी में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। मैं राष्ट्रपति मिर्ज़ियोयेव के साथ व्यापार और निवेश, डिजिटल संपर्क, रक्षा, ऊर्जा में हमारे सहयोग को और गहरा करने तथा विकसित भारत और यांगि उज़्बेकिस्तान के हमारे साझा दृष्टिकोणों को आगे बढ़ाने पर अपनी चर्चाओं को लेकर उत्सुक हूँ। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह ताशकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज़ में शास्त्री स्मारक और महात्मा गांधी केंद्र का भी दौरा करेंगे, जो दोनों देशों को जोड़ने वाले घनिष्ठ सांस्कृतिक और जन-से-जन संबंधों के प्रति एक श्रद्धांजलि है।

2027 चुनाव से पहले अखिलेश यादव का बड़ा दावा

बोले- यूपी में फिर हो सकती है एसआईआर, मतदाता सूची को लेकर रहें सतर्क

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आगामी 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के संभावित विशेष गहन संशोधन को लेकर प्रदेश की जनता को अलर्ट किया है। अखिलेश ने आशंका जताई है कि इस प्रक्रिया के जरिए वोटर लिस्ट में बड़ा हेरफेर किया जा सकता है और वैध मतदाताओं के नाम काटे जा सकते हैं। शनिवार को लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय में एक प्रेस-कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि मैं उत्तर प्रदेश के लोगों को आगाह करना चाहता हूं कि चुनाव से पहले भाजपा एक और एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) कराकर नई वोटर लिस्ट बनाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने बंगाल में भी वोटों की हेराफेरी करके चुनाव जीता था। अखिलेश ने यूपी के लोगों से अपील की कि वे भाजपा की साजिश और षड्यंत्रों से पूरी तरह सावधान रहें। गौरतलब है कि हाल ही में यूपी में हुए एसआईआर में राज्य में कुल वोटरों की संख्या 15.44 करोड़ से घटकर 13.39 करोड़ रह गई है जिसमें करीब 2.04 करोड़ मतदाता कम हुए हैं। अखिलेश यादव ने सिर्फ मतदाता सूची ही नहीं बल्कि महंगाई, कानून-व्यवस्था और सार्वजनिक संपत्तियों के मुद्दे पर भी योगी सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि आज जरूरी चीजों और ईंधन की कीमतें आसमान छू रही हैं लेकिन आम जनता की आमदनी में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। अखिलेश ने वादा किया कि अगर यूपी में सपा की सरकार बनती है तो समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया के सिद्धांतों पर चलते हुए महंगाई को नियंत्रित किया जाएगा।

बीजेपी -आरएसएस पर जमके बरसे राहुल गांधी

कहा - हजारों सालों से इस देश में दलितों पर अत्याचार और हिंसा होती आ रही है

नयी दिल्ली।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि देश में दो विचारधाराओं के बीच लड़ाई चल रही है. बीजेपी-आरएसएस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि देश में अभी भी छुआछूत जारी है. एक तरफ भारत का संविधान है - आंबेडकर, गांधी, जवाहरलाल नेहरू और सरदार पटेल का संविधान. दूसरी तरफ बीजेपी और आरएसएस की विचारधारा है. भारत में अभी जो राजनीति हो रही है, वह इन्हीं दो विचारधाराओं के बीच है. हजारों सालों से इस देश में दलितों पर अत्याचार और हिंसा होती रही है. संविधान ने इसे गैर-कानूनी बना दिया है, फिर भी आज भी स्कूलों में दलित बच्चों से टॉयलेट साफ करवाए जाते हैं और फर्श पर झाड़ू-पोछा लगवाया जाता है.

हमारे नेता मंदिर जाते हैं, बीजेपी वाले शुद्धिकरण कराते हैं : राहुल गांधी

दलितों को कुएं से पानी पीने की इजाजत नहीं

राहुल ने कहा, 'जरा सोचिए कि इसका आने वाली पीढ़ी के दिमाग पर क्या असर पड़ता है. बच्चे अपने कुछ साथियों को झाड़ू लगाते हुए देखते हैं, जबकि झाड़ू लगाने वाले उन साथियों को देखते हैं जिन्हें ऐसा नहीं करना पड़ता. यही भारत की सच्चाई है. दलितों को गांव के कुएं से पानी पीने की इजाजत नहीं है. उन्हें अपने निजी कुएं खोदने पड़े क्योंकि उन्हें गांव के आम कुएं का इस्तेमाल करने से रोका गया था. चाय की दुकानों पर आप दो तरह के कप देखते हैं. एक दोबारा इस्तेमाल होने वाला कांच का कप जिसे धोया जा सकता है, और दूसरा पेपर या प्लास्टिक का कप जिसे इस्तेमाल के बाद फेंक दिया जाता है. प्लास्टिक या पेपर के कप दलितों के लिए होते हैं, जबकि कांच के कप दूसरों के लिए. यही भारत की सच्चाई है. यही उत्तर प्रदेश की सच्चाई है, यही उत्तर भारत की सच्चाई है, और आप इसे शहरों और गांवों में देख सकते हैं.'

मल्लिकार्जुन खरगे को न्याय मिलना चाहिए'

राहुल ने कहा कि यह काम एससी /एसटी एक्ट का उल्लंघन है. 'शुद्धिकरण' की रस्म करना एक अपराध है. फिर भी, कोई कार्रवाई नहीं की गई है. इसलिए, हमारी मांग है कि उत्तराखंड में जिन लोगों ने यह शुद्धिकरण की रस्म की, उनके खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज की जाए. राहुल ने कहा, प्रधानमंत्री दावा करते हैं कि वे हर जाति से ताल्लुक रखते हैं और पूरे भारत के प्रधानमंत्री हैं. फिर भी, उनकी पार्टी के प्रमुख कहते हैं कि शुद्धिकरण सही था. हम चाहते हैं कि प्रधानमंत्री तुरंत इन लोगों के खिलाफ एससी /एसटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज करने का आदेश दें. राज्य सरकार और केंद्र सरकार दोनों की यह जिम्मेदारी है कि वे सुनिश्चित करें कि खरगे जी को उत्तराखंड में न्याय मिले।'

'हमारे नेता मंदिर जाते हैं, बीजेपी वाले शुद्धिकरण कराते हैं'

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की हल्द्वानी रैली को लेकर राहुल गांधी ने कहा, 'राजस्थान में हमारे सीएलपी नेता मंदिर जाते हैं, और बीजेपी नेता 'शुद्धिकरण' कराते हैं. कांग्रेस अध्यक्ष खरगे, जिन्होंने अपना पूरा जीवन देश और संविधान को समर्पित कर दिया है, वे हल्द्वानी के रामलीला मैदान में भाषण देने जाते हैं, और वहां भी शुद्धिकरण की रस्म की जाती है. ऐसा कौन करता है? ये बीजेपी और आरएसएस के लोग हैं. भारत के संविधान के तहत यह एक अपराध है, एक आपराधिक गतिविधि है. 'शुद्धिकरण' असल में छुआछूत का ही दूसरा नाम है. छुआछूत को गैर-कानूनी घोषित किया गया था, फिर भी बीजेपी के सदस्य खुलेआम इसे मानते हैं. जब वे यह शुद्धिकरण करते हैं, तो वे असल में यह कह रहे होते हैं कि दलितों को नहीं छूना चाहिए, दलित अशुद्ध हैं, और भारतीय संविधान के तहत यह एक अपराध है.'

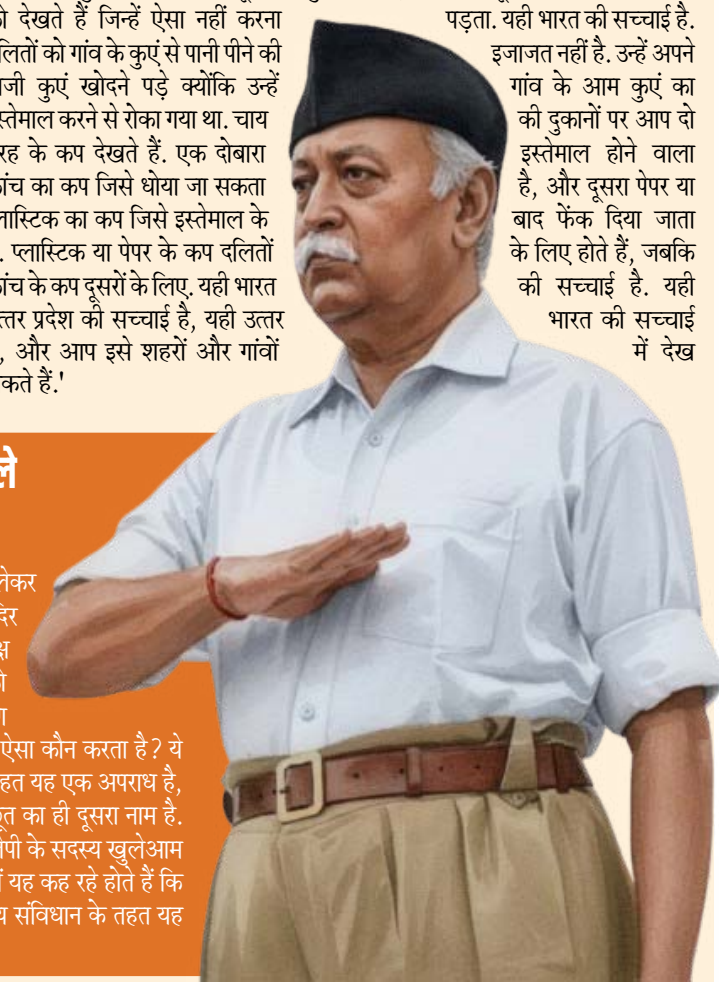

न्यूज अपडेट

दलीप ट्रॉफी : हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण सेमीफाइनल मुकाबले से बाहर हो सकते हैं यश धुल

नई दिल्ली/एजेंसी। नॉर्थ जोन के टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज यश धुल हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण साउथ जोन के खिलाफ होने वाले दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइल मुकाबले को मिस कर सकते हैं। यह मुकाबला रविवार से बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) मैदान पर खेला जाना है। यश धुल की जगह पर सलामी बल्लेबाज सनत सांगवान को मौका मिल सकता है, जो कमरान इकबाल के साथ पारी का आगाज करते हुए दिखाई दे सकते हैं। माना जा रहा है कि भारत की अंडर-19 टीम के पूर्व कप्तान उदय सहारन को धुल की जगह टीम में बुलाया गया है। मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने शनिवार को 'आईएएनएस' को बताया, हालांकि वह आज ट्रेनिंग कर रहे थे, लेकिन ग्रेड-2 हैमस्ट्रिंग चोट की आशंका के कारण यश धुल सेमीफाइनल मैच से बाहर हो सकते हैं। माना जा रहा है कि उनकी जगह उदय सहारन टीम में आ सकते हैं। इसका मतलब है कि रविवार से शुरू होने वाले मैच में सनत सांगवान के खेलने की संभावना अधिक है।

धुल की हैमस्ट्रिंग चोट वेस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में विवादास्पद चयन फैसले के ठीक बाद आई है। उस मैच में नॉर्थ जोन के कोच अजय शर्मा और सरनदीप सिंह ने पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले सांगवान को हटाकर धुल को मौका दिया था, जिन्होंने 2022 पुरुष अंडर 19 वर्ल्ड कप में भारत को जीत दिलाई थी।

धुल को मौका देने पर कई तरह के सवाल खड़े किए गए थे। वह 2025-26 के रणजी सीजन में सिर्फ 381 रन ही बना सके थे। उन्हें सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतारा गया था, जबकि वह उस भूमिका के स्पेशलिस्ट नहीं हैं। वेस्ट जोन के तेज गेंदबाजों के खिलाफ धुल संघर्ष करते हुए भी दिखाई दिए थे और वह पहली पारी में 9 और दूसरी में बिना खाता खोले आउट हुए थे। इस कारण टीम के फैसले की खूब आलोचना हुई थी।

नॉर्थ जोन अब पूरे आत्मविश्वास के साथ सेमीफाइनल में उतरेगा। टीम को भारत के तेज गेंदबाज गुरनूर बरार के जुड़ने से और मजबूती मिली है। नॉर्थ जोन ने स्टार खिलाड़ियों से सजी वेस्ट जोन टीम को 52 रन से हराया था, जिससे खिलाड़ियों का मनोबल काफी बढ़ा हुआ है।

घरेलू क्रिकेट में लगातार दमदार प्रदर्शन, फिर भी भारत की टेस्ट टीम में मौके को तरस रहे ये 5 खिलाड़ी

नई दिल्ली/एजेंसी।

भारत में घरेलू क्रिकेट के प्रदर्शन को सिलेक्शन का आधार माना जाता है। खासतौर पर टेस्ट क्रिकेट में खिलाड़ियों का सिलेक्शन उनके घरेलू क्रिकेट के प्रदर्शन पर काफी हद तक निर्भर भी करता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंटरनेशनल क्रिकेटर्स को भी खाली समय में घरेलू क्रिकेट में हिस्सा लेने की सलाह दे चुका है। इस कड़ी में ईशान किशन और श्रेयस अय्यर के खिलाफ सख्त कदम भी उठाए जा चुके हैं। हालांकि, भारत के घरेलू क्रिकेट में कुछ ऐसे खिलाड़ी भी हैं, जो वर्षों से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन सिलेक्टर्स का ध्यान अपनी ओर नहीं खींच पा रहे हैं। इन खिलाड़ियों के आंकड़े गवाही दे रहे हैं कि इन्हें कम से कम टेस्ट टीम में मौका और मैदान पर अपनी काबिलियत दिखाने के लिए टी20 फॉर्मेट से आने वाले खिलाड़ियों के

ऊपर तरजीह जरूर मिलनी चाहिए।

अभिमन्यु ईश्वरन:

फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में खेले 114 मुकाबलों में 47 की औसत से 8,396 रन बना चुके अभिमन्यु ईश्वरन भारतीय ड्रेसिंग रूम तक तो पहुंच चुके हैं, लेकिन पिछले तीन साल से अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। अनुभव और दमदार रिकॉर्ड होने के बावजूद अभिमन्यु ड्रेसिंग रूम में बैठकर मैदान पर भारत की जर्सी पहनकर उतरने का सपना ही देखते रहे हैं। फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में वह 27 शतक और 36 अर्धशतक भी लगा चुके हैं। अभिमन्यु का फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में डेब्यू 2013 में हुआ था और उनकी उम्र डेब्यू का इंतजार करते-करते 30 साल हो चुकी है।

धर्मेंद्र सिंह जडेजा:

100 फर्स्ट-क्लास मैचों में 423 विकेट। लिस्ट-ए क्रिकेट में 121 विकेट और टी20 में 65 विकेट। यह धर्मेंद्रसिंह जडेजा के बेमिसाल आंकड़े हैं, जिन्होंने साल 2013 में फर्स्ट-क्लास डेब्यू किया था। हालांकि, वह पिछले 13 वर्षों से भारतीय टेस्ट टीम में चुने जाने की आस लगाए बैठे हैं।

शाहबाज अहमद:

भारत के लिए 3 वनडे और दो टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेल चुके शाहबाज अहमद लंबे समय से टेस्ट टीम में मौका मिलने की राह देख रहे हैं। शाहबाज बल्ले के साथ-साथ गेंद से भी अहम योगदान दे सकते हैं। 43 फर्स्ट-क्लास मैचों में शाहबाज 146 विकेट निकाल चुके हैं, जबकि बल्लेबाजी में उन्होंने 2,493 रन बनाए हैं। दलीप ट्रॉफी 2026 में भी शाहबाज अपने प्रदर्शन से हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचने में जुटे हुए हैं।

सरफराज खान:

सरफराज खान भारतीय टीम के लिए टेस्ट डेब्यू कर चुके हैं। हालांकि, 2024 में डेब्यू करने के बाद पिछले दो वर्षों में उन्हें सिर्फ 6 टेस्ट मैच ही खेलने का मौका मिला है। जिन मुकाबलों में सरफराज को मौका भी मिला, तो लगभग हर पारी में उनका बल्लेबाजी क्रम ही बदलता रहा। फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में 64 की औसत से रन बनाने वाले सरफराज ने अपनी फिटनेस पर काम करते हुए वजन भी घटाया है, लेकिन इसके बावजूद उन्हें काबिलियत के अनुसार मौके नहीं मिल सके हैं।

शम्स मुलानी:

घरेलू क्रिकेट में शम्स मुलानी को मुंबई का स्टार ऑलराउंडर माना जाता है। बल्ले और गेंद दोनों से ही वह किसी भी मैच का रुख पलटने का दमखम रखते हैं। 59 फर्स्ट-क्लास मैचों में मुलानी ने 269 विकेट चटकाए हैं, जबकि बल्लेबाजी में वह 2,577 रन बना चुके हैं। मुलानी एक शतक और 22 अर्धशतक भी लगा चुके हैं। रणजी ट्रॉफी 2025-26 में उन्होंने 7 मुकाबलों में 30 विकेट चटकाए थे।

एक ओवर में चार छक्कों ने गेम बदला,सेंट्रल दिल्ली किंग्स को फाइनल में पहुंचाकर खुश कप्तान जोंटी सिद्धू

नई दिल्ली/एजेंसी

सेंट्रल दिल्ली किंग्स शुक्रवार को पुरानी दिल्ली 6 के खिलाफ 72 रन से दमदार जीत दर्ज करते हुए फाइनल में पहुंची, जहां 30 अगस्त को उसका सामना साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स से होगा। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए क्वालीफायर-2 में किंग्स के कप्तान जोंटी सिद्धू ने 46 गेंदों में 10 छक्कों और 5 चौकों के साथ 106 रन की नाबाद पारी खेली। उनकी इस पारी के दम पर टीम ने 20 ओवरों में 218/5 का स्कोर खड़ा किया,

जिसके बाद पुरानी दिल्ली को 17.4 ओवरों में 146 रन पर समेट दिया। बतौर गेंदबाज जोंटी ने 3 ओवरों में 25 रन देकर 3 विकेट चटकाए। शानदार ऑलराउंडर प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस नॉकआउट मुकाबले में अपने मैच जिताऊ प्रदर्शन पर बात करते हुए सिद्धू ने बताया कि जब टीम दबाव में थी, तब ऐसा प्रदर्शन करना बहुत संतोषजनक था। जीत के बाद उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश हूं। मैंने अपनी टीम के लिए बल्लेबाजी और गेंदबाजी, दोनों में अहम योगदान दिया। इस चरण पर टीम को ऐसे ही प्रदर्शन की सबसे ज्यादा जरूरत थी, इसलिए मुझे खुशी है कि यह सही समय पर हुआ।

जब शुरुआती विकेट गिर गए और अनुमानित स्कोर कम लग रहा था, तब सिद्धू और उनके साथी आदित्य भंडारी (नाबाद 24) ने आखिरी ओवरों में तूफानी बल्लेबाजी करते हुए सेंट्रल दिल्ली को एक मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। दोनों के बीच 22 गेंदों में 64 रन की अटूट साझेदारी हुई।

कप्तान ने बताया, भंडारी और मैंने बात की थी कि अगर हम क्रीज पर टिके रहे, तो हमें एक बड़ा ओवर मिल जाएगा, जिससे मैच का रुख बदल जाएगा। ठीक वैसा ही हुआ; मैंने एक ओवर में चार छक्के मारे, भंडारी ने दो मारे, और अचानक हम 200 रन के करीब पहुंच गए। वे (पुरानी दिल्ली 6) मेरे खिलाफ वाइड यॉर्कर डालने की कोशिश कर रहे थे, इसलिए मैंने अंदाजा लगा लिया कि गेंदें कहां गिरेंगी। मैंने उनकी रणनीति का सामना करने के लिए खुद पर भरोसा रखा और भगवान की कृपा से, मैंने गेंद को अच्छे से हिट किया।

जोंटी सिद्धू ने मॉडर्न टी20 क्रिकेट के हिसाब से अपने गेम को ढालने के लिए जरूरी समर्पण के बारे में भी बात करते हुए कहा, हम बचपन से ही एकेडमी में रेड-बॉल क्रिकेट की प्रैक्टिस करते हैं, लेकिन टी20 के हिसाब से खुद को ढालने में मुझे एक-दो साल लग गए।

व्यापार- वाणिज्य

शीर्ष 10 में से 7 कंपनियों का मार्केटकैप 1.13 लाख करोड़ रुपए घटा, एयरटेल टॉप लूजर

मुंबई/एजेंसी। देश की शीर्ष 10 में से सात कंपनियों का मार्केटकैप बीते हफ्ते 1.13 लाख करोड़ रुपए कम हो गया है। इसकी वजह भारतीय शेयर बाजार के मुख्य सूचकांकों में गिरावट होना था। शीर्ष कंपनियों में भारतीय एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस, एलआईसी और एचयूएल लूजर्स में शामिल थे। वहीं, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई हरे निशान में बंद हुए। भारती एयरटेल का मार्केटकैप 40,500.85 करोड़ रुपए कम होकर 11,74,462.30 करोड़ रुपए हो गया है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 40,056.32 करोड़ रुपए घटकर 17,38,119.27 करोड़ रुपए पहुंच गया है। एचडीएफसी बैंक का मार्केटकैप 11,558.35 करोड़ रुपए घटकर 11,09,600.70 करोड़ रुपए, बजाज फाइनेंस का मार्केटकैप 10,086.05 करोड़ रुपए कम होकर 6,70,535.57 करोड़ रुपए, एलएंडटी का बाजार मूल्यांकन 6,473.45 करोड़ रुपए कम होकर 5,55,987.49 करोड़ रुपए, एलआईसी का मार्केटकैप 3,162.50 करोड़ रुपए कम होकर 5,32,817.81 करोड़ रुपए और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एलयूएल) का मार्केटकैप 1,550.73 करोड़ रुपए कम होकर 4,72,361.83 करोड़ रुपए हो गया है।

दूसरी तरफ टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केटकैप 16,643.20 करोड़ रुपए बढ़कर 8,48,079.71 करोड़ रुपए, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केटकैप 4,475.28 करोड़ रुपए बढ़कर 10,22,805.73 करोड़ रुपए और एसबीआई का मार्केटकैप 599.99 करोड़ रुपए बढ़कर 9,65,568.75 करोड़ रुपए हो गया है। साप्ताहिक गिरावट के बावजूद, रिलायंस इंडस्ट्रीज बाजार पूंजीकरण के हिसाब से भारत की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है।

भारती एयरटेल दूसरे स्थान पर रही, इसके बाद एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया, टीसीएस, बजाज फ़ाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा। पिछले हफ्ते बेंचमार्क सेंसेक्स 276.32 अंक या 0.35 प्रतिशत गिरकर 77,264 जबकि निफ्टी में 76.35 अंक या 0.31 प्रतिशत की गिरावट 24,175 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 102.25 अंक या 0.51 प्रतिशत की तेजी के साथ 20,080 और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 333.75 अंक या 0.52 प्रतिशत की बढ़त के साथ 64,069 पर बंद हुआ।

संचार साथी पोर्टल की बड़ी सफलता, जुलाई में 77,692 खोए या चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद: सरकार

नई दिल्ली/एजेंसी।

दूरसंचार विभाग (डीओटी) की प्रमुख नागरिक-केंद्रित पहल संचार साथी ने जुलाई 2026 में रिकॉर्ड प्रदर्शन करते हुए 77,692 खोए या चोरी हुए मोबाइल हैंडसेट बरामद करने में मदद की है। संचार मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि यह पहली बार है जब इस मंच के जरिए एक ही महीने में बरामद किए गए मोबाइल फोनों की संख्या 75,000 के आंकड़े को पार कर गई है।

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने इस उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि यह संचार साथी मंच के प्रति बढ़ते जनविश्वास और दूरसंचार विभाग, टेलीकॉम सेवा प्रदाताओं तथा विभिन्न राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों की पुलिस के बीच मजबूत समन्वय का परिणाम है।

मंत्रालय के बयान के अनुसार, दूरसंचार विभाग हितधारकों से लगातार फीडबैक लेकर इस व्यवस्था को और प्रभावी बनाने पर काम कर रहा है, ताकि खोए

या चोरी हुए मोबाइल उपकरणों की बरामदगी और बढ़ाई जा सके।

इस सफलता में डीओटी की डिजिटल इंटेलिजेंस यूनिट और उसके क्षेत्रीय कार्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इन इकाइयों ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर मोबाइल उपकरणों का पता लगाने और उन्हें उनके वास्तविक मालिकों तक पहुंचाने का काम किया। आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2025 से जुलाई 2026 के बीच मासिक मोबाइल बरामदगी में 201 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

सिस्टम को अधिक पारदर्शी और उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाने के लिए कई नए सुधार भी किए गए हैं। अब नागरिकों को मोबाइल ट्रेसिंग रिपोर्ट के साथ संबंधित पुलिस स्टेशन की जानकारी एसएमएस, ईमेल और पोर्टल पर उपलब्ध कराई जाती है।

इसके अलावा, चोरी या खोए हुए मोबाइल में किसी नए सिम कार्ड के उपयोग की जानकारी भी पुलिस को उपलब्ध कराई जाती है, जिससे डिवाइस को ट्रैक करने और बरामद करने की संभावना बढ़ जाती है। कई मामलों में वैकल्पिक मोबाइल नंबरों की जानकारी भी जांच एजेंसियों के साथ साझा की जाती है। मंत्रालय ने बताया कि मोबाइल बरामद होने के बाद उपयोगकर्ताओं को एसएमएस के माध्यम से यह सलाह भी दी जाती है कि वे डिवाइस का फैक्ट्री रीसेट कर लें, ताकि किसी संभावित मैलवेयर या अनधिकृत सॉफ्टवेयर से सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

संचार साथी पोर्टल पर कोई भी नागरिक अपने खोए या चोरी हुए मोबाइल फोन की जानकारी सरल प्रक्रिया के माध्यम से दर्ज करा सकता है। यह सुविधा वेब पोर्टल और मोबाइल ऐप दोनों पर उपलब्ध है। शिकायत दर्ज होने के बाद संबंधित मोबाइल को भारतीय दूरसंचार नेटवर्क पर ब्लॉक कर दिया जाता है, जिससे उसका दुरुपयोग रोका जा सके।

यदि कोई व्यक्ति उस ब्लॉक किए गए मोबाइल का उपयोग करने का प्रयास करता है, तो नेटवर्क द्वारा इसकी पहचान कर ली जाती है। इसके बाद संबंधित नागरिक और पुलिस स्टेशन को अलर्ट भेजा जाता है, जिससे मोबाइल की बरामदगी और उसे वास्तविक मालिक को लौटाने की प्रक्रिया तेज हो जाती है।

तमिलनाडु सरकार राशन की दुकानों से रियायती दरों पर प्याज बेचने की योजना बना रही

चेन्नई/एजेंसी। खुदरा कीमतों में वृद्धि के कारण राज्य भर में आम लोगों के बजट पर दबाव पड़ने के बाद, तमिलनाडु का सहकारी क्षेत्र राशन की दुकानों के माध्यम से रियायती कीमतों पर प्याज बेचने की तैयारी कर रहा है। रसोई में इस्तेमाल होने वाली एक आम सामग्री, प्याज, पिछले कुछ हफ्तों में महंगी हो गई है।

बड़ी प्याज, जो पिछले महीने के अंत में लगभग 30 रुपये प्रति किलो मिल रही थी, अब कई खुदरा बाजारों में लगभग 60 रुपये प्रति किलो बिक रही है। छोटी प्याज, या शैलोट, की कीमतों में भी भारी वृद्धि हुई है, जो पिछले महीने लगभग 40-50 रुपये प्रति किलो थी, अब बढ़कर लगभग 70 रुपये प्रति किलो हो गई है। इस वृद्धि से उन उपभोक्ताओं पर और भी बुरा असर पड़ा है जो पहले से ही कई आवश्यक सब्जियों की ऊंची कीमतों से परेशान हैं।

बाजार दरों के स्थिर बने रहने के कारण, सहकारी क्षेत्र ने थोक में प्याज की खरीद करके और प्रचलित खुदरा स्तरों से काफी कम कीमतों पर सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से उनकी आपूर्ति करके हस्तक्षेप करने का निर्णय लिया है। इस पहल के तहत, राज्य ने नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया से संपर्क किया है और 70,000 किलोग्राम प्याज के आवंटन की मांग की है।

केंद्रीय एजेंसी से प्याज मिलने के बाद, प्याज को तमिलनाडु भर के राशन दुकानों में वितरित किया जाएगा। इनके 30 से 40 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच बिकने की उम्मीद है, जिससे उपभोक्ताओं को खुले बाजार की कीमतों की तुलना में 30 रुपये प्रति किलोग्राम तक की राहत मिलेगी।

अधिकारियों ने बताया कि पहली खेप से आगे की मात्रा मंगाने से पहले मांग का आकलन करने में मदद मिलेगी। प्रस्तावित हस्तक्षेप का उद्देश्य परिवारों को तत्काल राहत प्रदान करना और अचानक हुई मूल्य वृद्धि के प्रभाव को कम करना है। पहले भी सरकार द्वारा सहकारी संस्थाओं और राशन की दुकानों का उपयोग आवश्यक वस्तुओं को नियंत्रित कीमतों पर बेचने के लिए किया जाता रहा है।

महाराष्ट्र एफडीए ने सिप्ला की पुणे इकाई का दवा बिक्री लाइसेंस रद्द किया

मुंबई/एजेंसी।

महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने सिप्ला कंपनी की रिएक्टिन प्लस टैबलेट से संबंधित निरीक्षणों के दौरान पाई गई गंभीर खामियां पाई हैं। इन अनियमितताओं के कारण पुणे के वाडकी स्थित सिप्ला फार्मा एंड लाइफ साइंसेज लिमिटेड की कैरी एंड फॉरवर्डिंग (सी एंड एफ) सुविधा का दवा बिक्री लाइसेंस रद्द कर दिया है।

जून में हुए निरीक्षण के दौरान एफडीए अधिकारियों ने अनुसूची एच के अंतर्गत आने वाली दवा रिएक्टिन प्लस की पैकेजिंग पर अनधिकृत प्रचार सामग्री पाई। पैकेजिंग पर दर्द निवारक और ज्वरनाशक शब्द लिखे हुए थे।

नियामक ने 11 लाख रुपए से अधिक मूल्य के रिएक्टिन प्लस स्टॉक को जब्त कर लिया और कंपनी को दवा एवं सौंदर्य प्रसाधन

अधिनियम, 1940 और नियम, 1945 के प्रावधानों के अनुसार पैकेजिंग उल्लंघनों का हवाला देते हुए दवा को बाजार से वापस मंगाने का आदेश दिया। हालांकि, कंपनी निर्देशों का पूरी तरह से पालन करने में विफल रही।

एफडीए ने कहा कि इस तरह से डॉक्टर के पर्चे पर दी जाने वाली दवा का प्रचार लोगों को बिना डॉक्टरी सलाह के दवा लेने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है, जिससे स्व-दवा का खतरा बढ़ जाता है।

कंपनी के सीए एंड एफ संचालन की बाद में हुई जांच में दवाओं के भंडारण और वितरण में भी अनियमितताएं पाई गईं। इनमें भौतिक और कंप्यूटरीकृत स्टॉक रिकॉर्ड में विसंगतियां, खरीद-बिक्री रिकॉर्ड में कमियां और रिकॉल निर्देशों का पालन न करना शामिल था।

निरीक्षण में यह भी पाया गया कि दवाइयां सीधे जमीन पर रखी हुई थीं और पैलेट व रैक की सुविधाएं अपर्याप्त थीं। साथ ही, एक्सपायर हो चुकी दवाओं के रिकॉर्ड और उनसे निपटने की प्रक्रियाओं में भी कमियां थीं।

एफडीए ने कथित उल्लंघनों के लिए कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। बयान में आगे कहा गया है कि एफडीए ने कंपनी के जवाब की जांच की और उसके बाद औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम और औषधि नियमों के संबंधित प्रावधानों के तहत लाइसेंस रद्द कर दिए।

एफडीए आयुक्त तुकाराम मुंधे ने कहा कि विभाग दवा सुरक्षा और जन स्वास्थ्य से संबंधित मामलों में, विशेष रूप से अनुसूची एच की निर्धारित दवाओं के विज्ञापन, बिक्री, भंडारण और वितरण में, कोई नरमी नहीं बरतेगा।

उन्होंने आगे कहा कि दवाओं के निर्माण और वितरण में शामिल किसी भी संस्था द्वारा नियमों का उल्लंघन करने पर कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नई टेक्नोलॉजी को मित्र बनाएँ

चन्द्र प्रभा सूद

इक्कीसवीं सदी का यह युग टेक्नोलॉजी का है। बच्चे और युवा इस तकनीक का सफलतापूर्वक भरपूर प्रयोग करते हुए दिखाई देते हैं। आज हर छोटे-बड़े ऑफिस में हम कर्मचारियों को कम्प्यूटर और लेपटाप पर काम करते हुए देख सकते हैं। बैंक भी आनलाइन हो गए हैं। उनकी एप्लिकेशन डाउनलोड करके बिना समय गँवाए शीघ्रता से हम ट्रांजेक्शन कर सकते हैं। आजकल यूपीआई आदि से पैसों का लेन-देन प्रायः सभी लोग करते हुए दिखाई देते हैं।

छोटे-छोटे बच्चे भी आज कम्प्यूटर, मोबाइल फोन और आईपेड का प्रयोग सुविधा से करते हैं। बच्चों को इन उपकरणों पर सहजता से कार्य करते हुए देखकर मन प्रसन्न हो जाता है। बच्चों की अंगुलियाँ इन उपकरणों पर बहुत तेजी से भागती हुई सी दिखाई देती हैं। बच्चे अपने मन पसन्द प्रोग्राम बिना किसी की सहायता के स्वयं ही देख लेते हैं। उनके ज्ञानवर्धक बहुत से प्रोग्राम मोबाइल आदि में मिल जाते हैं। उनके विद्यालय के प्रोजेक्ट्स भी इनकी सहायता से बनाए जाते हैं। बच्चों की आधी पढ़ाई तो इन्हीं उपकरणों के माध्यम से हो जाती है।

प्रायः आयुप्राप्त होते लोगों से भी मिलना होता रहता है। वे स्वयं को जब इस तकनीक के प्रयोग के लिए मिसफिट समझ लेते हैं तो मन को कष्ट होता है। सारी आयु नित नूतन प्रयोग करने वालों से ऐसी सोच की आशा वास्तव में बहुत निराश करने वाली होती है।

मोबाइल फोन अपनी जेब में रखकर जब लोग कहते हैं कि हमें तो बस फोन मिलाना और

किसी से बात करने के अलावा कुछ नहीं आता तब झटका-सा लगता है। न वे फोन में कोई नम्बर फीड कर सकते हैं और न ही मैसेज तक कर सकते हैं। फेसबुक और वाट्सअप या अन्य एप्लीकेशन की जानकारी होना उनके लिए मानो बहुत दूर की कौड़ी होती है। यद्यपि यह स्थिति अच्छी नहीं कही जा सकती। घर में रहने वाले युवाओं और बच्चों का यह दायित्व बनता है कि अपने बुजुर्गों को इस नई टेक्नोलॉजी के बारे में जानकारी दें।

रिटायर होने के बाद सभी बुजुर्गों को समय व्यतीत करने की समस्या होने लगती है। उसका कारण है कि वृद्धावस्था की ओर कदम बढ़ाते हुए उनका शरीर अशक्त होने लगता है। इसलिए वे भागदौड़ करने वाले काम नहीं कर पाते। सभी लोगों के पास कुछ करने के लिए काम नहीं होता। तभी वे प्रायः खाली बैठे रहते हैं। बच्चे अपने कामों में व्यस्त रहते हैं, उनके पास बुजुर्गों के पास बैठने के लिए सीमित समय निकल पाता है। स्वयं को अपेक्षित समझने के कारण वे हर समय अनमने और चिड़चिड़े से रहने लगते हैं।

इस तरह की परेशानियों से अपने घर के बुजुर्गों को मोबाइल का उपहार देकर उन्हें व्यस्त रहने का अवसर दें। उन्हें फेसबुक और वाट्सअप आदि चलाना भी सिखाएँ। वे जब इस नई तकनीक का सही ढंग से प्रयोग करना सीख जाएँगे तो उनका मन भी लगा रहेगा। उन्हें घर बैठे काम करने की जानकारी समझानी चाहिए।

उन्हें सिखा देना चाहिए कि वे पोस्ट पढ़ें, उन पर कमेण्ट करे, मन करे तो कुछ लिखकर पोस्ट कर दें, कभी चाहें तो फोटो भी लोड कर सकते हैं। उन्हें अपने मित्रों के साथ चैट करना भी सीखा सकते हैं। इस पूरी प्रक्रिया में उनका काफी समय व्यतीत हो जाएगा। जब वे इस प्रकार व्यस्त हो जाएँगे तो उनकी समय बिताने की समस्या का समाधान हो जाएगा। वे खुश रहेंगे तो घर की शान्ति भी बनी रहेगी।

अपने बुजुर्गों या माता-पिता को यह अवश्य बता दें कि फेसबुक मित्रता का अखाड़ा नहीं है अपितु उसका उपयोग रचनात्मक होना चाहिए। यदि कोई अवांछित पोस्ट करे अथवा कोई पसन्द न आए तो उसे ब्लॉक करना अथवा अनफ्रैण्ड करना भी सिखाएँ।

जिस भी विषय में उनकी जानकारी है अथवा अपने जीवनभर प्राप्त अनुभवों को सबके साथ साझा कर सकते हैं। लाइक वाले बटन पर वे क्लिक करके अपनी सहमति दर्ज कर सकते हैं। यह बात उन्हें समझानी भी आवश्यक है कि यदि वहाँ उनकी पोस्ट पर लाइक न भी आ सकें तो निराश न होकर अपने अनुभवों को साझा करते रहें। यह ऐसा माध्यम है जहाँ सभी लोग निस्संकोच अपने मन की बात या सुख-दुख भी शेयर करके अपने दिल का बोझ कम कर सकते हैं। इस माध्यम से लाभ-हानि की अपेक्षा करना उचित नहीं हो सकता।

युवाओं को चाहिए कि जहाँ भी उन्हें कोई कठिनाई आए तो उनके पास बैठकर तसल्ली से उसके निवारण का उपाय बताएँ। उनकी व्यस्तता के इस बहाने की सराहना करते रहें, इससे उनका उत्साह बना रहेगा। प्रयास करिए कि वे इस नई तकनीक से बोर न हों बल्कि उसमें अपना मन लगाए रहें। यदि बुजुर्ग अपने फालतू समय का सदुपयोग इस तरह करेंगे तो प्रसन्न रहेंगे और आप स्वयं भी उनकी ओर से निश्चिन्त हो जाएँगे।(उर्वशी)

जींस खरीदें शरीर की बनावट के अनुरूप

नर्मदेश्वर प्रसाद चौधरी

इसे बदलते परिवेश की धमक कहें या पश्चिमी सभ्यता का अंधानुकरण या फिर जिंदगी की तेज रफ्तार के साथ कदमताल करने की चाहत जिसकी वजह से युवतियों में जींस- टाप पहनने का क्रेज दिन-प्रति परवान चढ़ रहा है। घर में भले ही युवतियां परंपरागत परिधानों में रहें लेकिन बाहर आधुनिक दिखने की मजबूरी के चलते युवतियों के ड्रेस सेंस में भी बदलाव आया है।

युवतियों के पहनावे में आए इस बदलाव को मुनाफे में बदलने के लिए बाजार भी पूरी तरह तैयार दिख रहा है। बाजार ने इन युवतियों एवं युवकों की मानसिकता को देखते हुए प्लस साइज (भारी फिगर) से ले कर स्लिम ट्रिम युवतियों के लिए अनेक रेंज में जींस को मार्केट में लांच किया है। बड़े शहरों और महानगरों की तो बात ही छोड़िए, छोटे शहरों में भी जींस के कई रेंज हर तरह की कीमत पर उपलब्ध हैं।

आज हर शख्स फैशन की गिरफ्त में है। हर कोई हॉट और स्टाइलिश दिखना चाहता है लेकिन फैशन के इस दौर में शामिल हो कुछ भी पहन लेता है जिससे कभी-कभी हास्यास्पद स्थिति उत्पन्न हो जाती है। अपने फिगर,कद-काठी और रंग-रूप के अनुसार यदि परिधान का चयन किया जाये तो न सिर्फ ऐसी स्थिति से बचा जा सकता है बल्कि लोगों के आकर्षण का केन्द्र भी बना जा सकता है।

आज की इस भागती जिदंगी में हर चीज फास्ट हो गई है। बात खाने की हो या पहनावे की या फिर बोल चाल की, आज नई पीढ़ी की रफ्तार काफी तेज हो गयी है। खाने में फास्ट फूड तो पहनावे में जींस की दरकार। इस फास्ट लाइफ में महिला, पुरूष सभी वैसी पोशाक की चाहत रख रहे हैं, जिनके रख-रखाब में कोई टेंशन न हो। आज की इस रफ्तार भरी जिंदगी में सलवार-कुर्ती पायजामी, दुपट्टा और साड़ी का अस्तित्व नजर नहीं आता पर युवतियां जींस के साथ कुर्ती पहनना पसंद करती हैं ताकि दुपट्टे का चक्कर ही न रहे। महिलाएं और युवतियां जींस में अपने आपको ज्यादा कंफटेबल महसूस करती हैं।

जींस और टाप या टीशर्ट जैसी पोशाकों को प्राथमिकता देने की एकमात्रा वजह है फैशन ट्रेंड और जमाने के साथ चलने की जद्दोजहद। दूसरी तरफ यह मानसिकता भी कार्य करती है कि यदि नए ट्रेंड को अपना कर नहीं चलेंगे तो आउटडेटेड करार दिए जाएंगे। तो जब जींस पहनकर ही जमाने के साथ चलना हो तो इन बातों पर जरूर गौर करें-

छोटा कदः

जिन युवतियों का कद छोटा है उन्हें चौड़ी स्ट्रेट या बूट कट स्टाइल की जींस पहननी चाहिए। इससे कद लंबा नजर आता है।

दुबली कायाः

यदि आप बहुत ज्यादा दुबली हैं तो ढीली जींस का चुनाव करें। इससे आपका दुबलापन, छिप जाएगा ।

परफेक्ट फिगरः

यदि आपका फिगर आकर्षक है तो जो पसंद आए पहन लीजिए। आप पर हर तरह की जींस सूट करेगी।

मोटी कायाः

यदि आपका शरीर कुछ ज्यादा ही भारी है तो रेग्युलर फिट जींस आपके लिए सबसे सही चुनाव होगा। इस तरह जींस का चुनाव कर अपने व्यक्तित्व में निखार लाएं। (उर्वशी)

सौंदर्य निखारने में सहायक है मलाई

शैली माथूर

डॉक्टरों का विचार है कि मलाई वाला दूध पीने से शरीर मोटा हो जाता है। वे ज्यादातर टोंड दूध पीने की सलाह देते हैं अर्थात् क्रीम निकला दूध। क्या आप जानते हैं कि मलाई सौंदर्यवर्द्धक भी है। इसका दवाइयों व सौंदर्य प्रसाधनों के रूप में भी प्रयोग किया जाता है।

* एक चम्मच मलाई में नींबू का रस मिला कर चेहरे पर तब तक मलें जब तक वह चेहरे में रम न जाए। इसके पश्चात् इसे हल्के गुनगुने पानी से धो लें।
* एक चम्मच मलाई में एक चम्मच सेब का रस मिला कर फेंटें। फिर हल्के हाथों से चेहरे पर रगड़ें। ऐसा लगातार करने से चेहरे पर निखार आएगा व रंग साफ होगा।
* मलाई में मूली का रस मिलाकर लगाने से भी रंग निखरता है।
* होंठों के फटने पर मलाई लगाने से वे नरम हो जाते हैं।
* थोड़ी-सी मलाई में एक चम्मच बेसन मिलाकर उबटन तैयार करें व स्नान करने से पहले शरीर पर लगाएं। त्वचा मुलायम हो जाएगी। इसे लगाने के पश्चात् साबुन का प्रयोग न करें तो अच्छा रहेगा।
* मुल्तानी मिट्टी व मलाई का पेस्ट चेहरे व कोहनियों पर लगाएं। कोहनियों का कालापन दूर होगा।
* तीन चार बादाम की गिरी और दस-बारह देसी गुलाब की पत्तियां पीस कर मलाई में मिलाकर चेहरे पर लगाएं। इससे दाग धब्बे व झुर्रियाँ दूर होंगी।
* मौसमी के छिलके पीस लें। इसे मलाई में मिलाकर उबटन के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।
* संतरे, नींबू के छिलकों को सुखाकर पाउडर बना लें व इसमें शहद, मलाई को मिलाकर पेस्ट तैयार करें व चेहरे पर मलें। रूखी त्वचा में जान आ जाएगी व झुर्रियों से मुक्ति मिल जाएगी। (उर्वशी)

कीटाणु फ्री बनाएं अपना घर

घर अगर साफ सुथरा है तो बहुत सी बीमारियां घर से दूर रहेंगी। कुछ बैक्टीरिया तो हवा में होते ही हैं पर घर में कीड़े-मकौड़े, कीटाणुओं का पनपना बीमारियों को न्यौता देना है। अगर हम सब घर और घर के आस-पास सफाई का ध्यान रखेंगे तो कितनी ही बीमारियों का सफाया हो सकता है क्योंकि जब कीटाणु पाएंगे नहीं तो संक्रमण फैलेगा कैसे। अपने घर को बनाएं कीटाणु फ्री घर की सफाई के प्रति जागरूक होकर:-

* शीशे और प्लास्टिक सतह वाली चीजों को सेनेटाइज़र स्प्रे कर साफ करें। दरवाजों के हैंडल, नॉब्स की सफाई के लिए भी सेनेटाइजर का प्रयोग करें।
* परदे, सोफे की गद्दियां, सोफा, मैट्स, कालीन की सफाई के लिए वैक्यूम क्लीनर का प्रयोग करें ताकि डस्ट साफ हो सके और छुपे कीटाणु निकल सकें।
* कंप्यूटर की-बोर्ड, टेलीफोन, फ्रिज हैंडल पर भी कोलीन लगाकर सफाई करते रहें ताकि कीटाणु साथ साथ मरते रहें।
* परिवार के सभी सदस्यों के तौलिए अलग होने चाहिए। नहाने के बाद उन्हें बाहर धूप में सुखाएं ताकि सीले तौलियों में कहीं कीट-कीटाणु अपना घर न बना लें।
* घर के बिस्तर की चादर, तकिया कवर सप्ताह में एक बार अवश्य बदलें। खाना बिस्तर पर न खाएं क्योंकि खाने के अवशेषों पर चींटियां, कीटाणु, खटमल आ सकते हैं जो संक्रमण फैलाने में मदद कर सकते हैं।
* अपने बाथरूम और टायलेट को रोज साफ करें। बाथरूम गीला रहने से बाथरूम के कोनों में कीटाणु पनप सकते हैं।
* रसोईघर कीटाणुओं के पनपने का विशेष स्थान है क्योंकि रसोईघर में डस्टबिन और खाद्य सामग्री होती है। बर्तनों व डिब्बों के कारण कीटाणुओं को छिपने और पनपने का स्थान मिल

जाता है। डस्टबिन में बची खाद्य सामग्री, छिलके डालने से कीड़े मकौड़े, कीटाणु आसानी से पनप सकते हैं। अपना डस्टबिन हर रोज खाली करें और धोकर नया गारबेज बैग लगा कर ढक कर रखें। खाना बनाने के बाद रसोईघर का प्लेटफार्म व गैस स्टोव अवश्य साफ करें।
* रसोईघर में इलेक्ट्रानिक गैजेट्स को साफ कर सुखा कर रखें। बर्तन सुखा कर अंदर संभालें।
* रसोईघर में प्रयोग होने वाले हैंड टावल, डस्टर प्रतिदिन धोकर सुखा कर प्रयोग में लाएं। गंदे मैले डस्टर और हैंड टावल घर में बैक्टीरिया का कारण हो सकते हैं। सप्ताह में एक बार गर्म पानी में अलग से वाशिंग पाउडर डाल कर धोएं।
* बाथरूम में अपने मैले कपड़े यूं ही नीचे न फेंकें। उन्हें अलग सूखे स्थान पर रखें। जहां से कपड़े धुलने चले जाएं। गीले कपड़ों में बैक्टीरिया जल्दी पनपते हैं।
* इन सब बातों को ध्यान में रखकर आप अपना घर साफ रख सकते हैं। इसके अतिरिक्त अगर घर में कॉक्रोच, दीमक दिखाई दें तो पेस्ट कंट्रोल का प्रयोग आखिरी ऑप्शन रखें क्योंकि इसमें प्रयोग होने वाले कीटनाशक सेहत को भी नुकसान पहुंचाते हैं।

आप कुछ प्राकृतिक तरीके भी अपना सकते हैं:-

करें लहसुन का प्रयोग

रसोई में लहसुन की कुछ कलियां छील कर कोनों पर रख सकते हैं। इसकी तीखी सुगंध के कारण चीटियां व काक्रोच टिक नहीं पाएंगे। जब लगे लहसुन की गंध खत्म हो गई है और कलियां सूख गई हैं तो ताजा लहसुन छील कर पुनः रख दें।

करें प्रयोग बोरिक एसिड

बोरिक पाउडर को आटे में मिलाकर कीड़े-मकौड़े पर छिड़कने से कीड़े-मकौड़े मर जाते हैं। बोरिक पाउडर को आटे में मिलाकर थोड़ी चीनी डालकर गोलियां बना कर कोनों पर लगाएं जहां आटा, चीनी, चावल रखते हैं। वहां के वार्डरोब के बाहर लगाएंचींटियां कीड़े-मकौड़े मर जाएंगे।

युकलिप्टस के तेल से करें छिड़काव

युकलिप्टस ऑयल को पानी में मिलाकर स्प्रे बोतल में रख लें। जहां कीड़ियां, कॉक्रोच, मकड़ी, छोटे कीड़े दिखाई दें। वहां स्प्रे कर दें, कीड़े तुरंत मर जाएंगे। (उर्वशी)

कला भोजन परोसने और खिलाने की

सोनी मल्होत्रा

ऐसे अनेक अवसर आते हैं जब आप लंच या डिनर पर मेहमानों को आमंत्रित करती हैं। मेहमानों को भोजन परोसते समय अनिवार्य रूप से थोड़ा तकल्लुफ, सतर्कता और सावधानियां बरतनी पड़ती हैं। इसलिए आपके भोजन परोसने व खिलाने का ढंग ऐसा होना चाहिए कि मेहमान तृप्ति महसूस करें।

कभी-कभी कुछ बिन बुलाए मेहमान भी आ जाते हैं जिन्हें आप बहुत खराब मूड से भोजन परोसती हैं पर आप यह बात भूल जाती हैं कि आपकी जानबूझ कर की गई कई असावधानियां मेहमानों के लिए आपमें कमियां बन जाएंगी। इसलिए भोजन कराते समय आपके मूड का अच्छा व प्रसन्नतापूर्ण होना बहुत आवश्यक है तभी आप एक कुशल गृहिणी कहलाएंगी। अतः भोजन खिलाते समय इन असावधानियों से बचिए ताकि आपकी प्रशंसा हो सके।

ये असावधानियां कई तरह की हो सकती हैं जैसे आप खाना खिलाते समय दूसरे कामों में जुटी हुई हैं ऐसा भी हो सकता है कि आप खाना इतना परोस दें कि व्यर्थ फेंकना पड़े अथवा इतना कम परोसें कि बार-बार मांगना

पड़े। इन असावधानियों से बचने के लिए सारी व्यवस्था सुनियोजित होनी चाहिए और भोजन परोसते समय व खिलाते समय निम्न बातें ध्यान में रखिए:-

* रोटी, पूड़ी आदि के अलावा किसी चीज को हाथ से न परोसें। सभी वस्तुओं को परोसने के लिए छोटे बड़े चम्मच इस्तेमाल करिए।
* खाने को डाइनिंग टेबल पर रखने के प्रबंध करने के बाद आप परोसने का इंतजाम करिए। क्राकरी में फुल प्लेटें, गहरी प्लेटें, टी-स्पून, छुरी, कांटे, खाने वाले सदस्यों के अनुसार टेबल के चारों तरफ करीने से रखिए। चम्मच, छुरी कांटे प्रत्येक प्लेट के साथ रखिए।
* पानी के गिलास शुरू में ही भरकर हर एक के बाएं हाथ की ओर रख दीजिए और टेबल के बीचों बीच पानी का एक भरा हुआ जग रख दीजिए ताकि आवश्यकतानुसार पानी और लिया जा सके।
* रोटी या पूड़ी फुल प्लेट्स में परोसिए, गहरी प्लेटों अथवा स्टील की कटोरियों में सब्जियां रखिए। दही, रायता इत्यादि भी गहरी प्लेटों में परोसिए।
* बच्चों को भोजन परोसते समय विशेष ध्यान दीजिए। अगर वह स्वयं परोस रहा है या आप परोस रहे हैं तो अधिक मत परोसिए। बच्चे को थोड़ा-थोड़ा डाल कर दीजिए ओर उससे बीच-बीच में पूछती रहें कि उसे क्या चाहिए।
* भोजन करते समय इतनी सतर्क रहिए कि खाना खाने वाला खाने में किसी चीज की कमी महसूस न करें।
* भोजन के समय कभी भी घर की समस्याओं की चर्चा या वाद-विवाद नहीं करना चाहिए।
* जब भोजन समाप्त हो जाए तो आप कुछ मीठा, जो आपने तैयार रखा हुआ हो, प्लेट अथवा तश्तरी में रखकर ले आइए व परोसें।
* अंत में आप हाथ धुलाने के लिए पानी व तौलिया तैयार रखिए। इन सब बातों का ध्यान रखते हुए अगर आप अपनी सूझ-बूझ से किसी दावत का सही प्रबंध करेंगी तो आप सबकी प्रशंसा की पात्रा बनेंगी। (उर्वशी)

जब आ जाए ऊब वैवाहिक संबंधों में

नरेंद्र देवांगन

डाक्टरों के पास ऐसे दंपति बहुत आते हैं जिन्हें यह शिकायत होती है कि उनकी सेक्स की इच्छा धीरे-धीरे कम होती जा रही है या लगभग खत्म हो चुकी है। पत्र -पत्रिकाओं में भी ऐसे पाठकों की समस्याएं अक्सर प्रकाशित होती रहती हैं। एक अनुमान के मुताबिक विवाहित स्त्री -पुरूषों की बीस प्रतिशत संख्या इससे परेशान है।

दरअसल यह समस्या शारीरिक विकृति की श्रेणी में नहीं आती। इसके मूल में व्यक्ति की चिंता, तनाव व थकान जैसे कारण होते हैं। इस समस्या से उबरना थोड़ा कठिन जरूर है पर असंभव नहीं। व्यक्ति प्रयास करे तो अपनी सोई यौनेच्छा को पुनः जगा सकता है। सेक्स की इच्छा खत्म होने का मतलब अलग-अलग लोगों के लिए अलग-अलग होता है। सब लोगों के लिए कोई एक निश्चित पैमाना नहीं हो सकता लेकिन अधिकांश मामलों में पति-पत्नी के बीच दूरियां बन जाने के कारण ऐसा होता है।

असंतोषजनक यौन संबंधः-

पति-पत्नी दोनों में से किसी एक की यौन असंतुष्टि भी रिश्तों में तनाव और फिर तलाक का कारण बनती है लेकिन यह ऐसी समस्या नहीं है जिसे सुलझाया नहीं जा सकता। विवाह से पहले सेक्स का अनुभव दोनों में से किसी को भी नहीं होता, इसलिए सेक्स संबंधों में चरम यौन सुख की प्राप्ति न होने पर दूसरे को दोषी न ठहराएं। आपस में इस समस्या की खुलकर चर्चा करें। स्वस्थ यौन संबंधों पर बहुत सी सामग्री उपलब्ध है। उसका लाभ उठाएं। यौन विशेषज्ञ भी इस बात से सहमत हैं कि पिछले कुछ वर्षों में यौन संबंधी समस्याएं और यौन संबंधों को लेकर असंतोष के मामले तेजी से बढ़े हैं।

दरअसल, पहले कम उम्र में विवाह हो जाते थे और विवाह के समय पति-पत्नी को सेक्स संबंधी जानकारी न के बराबर होती थी। ऐसे में उनकी यौन संबंधी अपेक्षाएं न के बराबर होती थी। लड़कियां दब्बू और डरपोक होती थी। यौन संतुष्टि के लिए उनके मन में उतनी तड़प नहीं होती थी जितनी आज की युवतियों में है।

फिर विवाह की उम्र भी दस साल आगे चली गई है। ऐसे में विवाह के समय तक उन्हें सेक्स संबंधी इतनी अधिक जानकारी हो जाती है कि भावी साथी से उन की अपेक्षाएं बहुत अधिक होती हैं। ऐसे में अगर एक साथी थोड़ा शर्मीला या ठंडे स्वभाव का हो तो निराशा हाथ लगती है लेकिन जल्दबाजी अच्छी नहीं है।

यौन संबंधों में परिपक्वता आने में समय लगता है अपने साथी के साथ पूरा-पूरा सहयोग करें। अगर आपके पास कंप्यूटर है तो आप अपने बेडरूम में ही सेक्स संबंधी सामग्री से लाभ उठा सकते हैं। आवश्यकता पड़ने पर यौन विशेषज्ञों की मदद भी ली जा सकती है।

नजरअंदाज न करें:-

अपने अति व्यस्त जीवन को सुखद बनाने के लिए सेक्स के फायदों को नजरअंदाज न करें। यह सिर्फ शरीर का ही नहीं, मन का भी मिलन है। जरूरी नहीं कि वैवाहिक जीवन को चटपटा और जीवंत सिर्फ सेक्स से ही बनाया जा सकता है। एक दूसरे की आंखों के इशारे समझें। पति का बिना पत्नी की

मर्जी जाने संबंध बनाकर खुद सुख भोगकर करवट बदलकर खर्राटे भरना पत्नी के सुकोमल मन को आहत कर जाता है। इससे वह स्वयं को प्रेयसी कम, उपभोग की वस्तु अधिक समझने लगती है।

प्रणय संबंध से पूर्व पति का प्यार भरा स्पर्श, फोरप्ले और रोमांटिक बातें पत्नी को अपनी भावनाएं खुलकर रखने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। यदि पत्नी की दिनचर्या उसे थकाती है और इससे उसका सेक्स के प्रति रूझान कम हो जाता है तो पति घर के कामों में उसका हाथ बटाएं। वीक एंड पर घूमने जाएं। फिल्म देखें और खाना बाहर खाएं। इससे पत्नी को आराम मिलेगा और मानसिक तनाव भी नहीं होगा। पति क इशारों को वह स्वयं समझेगी।

प्यार के लिए समय निकालें:-

लोग सोचते हैं कि प्यार के लिए क्या समय निकालना, यह तो अपने आप हो जाता है यह धारणा गलत है। आप दिन भर अपनी पत्नी की उपेक्षा करें और रात को बिस्तर पर उससे भरपूर प्यार की उम्मीद करें तो आपको निराश होना पड़ेगा।

कोई भी स्त्री या पुरूष दिन भर काम से थक हार कर शाम को अपने जीवन साथी से स्नेह, सहयोग और सहानुभूति की अपेक्षा करता है। अगर वह इससे वंचित रहता है तो उसकी कामेच्छा का कम होना स्वाभाविक है।

अपने जीवन साथी से बेडरूम में भरपूर प्यार पाने के लिए आपको बेडरूम से बाहर इसके लिए माहौल बनाना पड़ेगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि कामेच्छा का संबंध शक्ति और तकनीक के बजाय परिस्थिति और प्रगाढ़ता से अधिक होता है। लोगों पर कामकाज का बढ़ता बोझ उनकी घटती कामेच्छा का मुख्य कारण है। पुरूष सेक्स को थकान या तनाव मिटाने का माध्यम भर समझते हैं जबकि स्त्रियों के लिए सेक्स ऐसी गतिविधि है जिसके लिए मानसिक रूप से तैयार होना बेहद जरूरी है। वे इसे टाइमपास करने के शगल के रूप में नहीं लेती। इसलिए पत्नी जब बेहद थकी या मानसिक रूप से अस्वस्थ हो तो उसकी सेक्स संबंधी अरूचि को उदासीनता नहीं समझा जाना चाहिए। यौनेच्छा को जीवित रखने के लिए अपनी व्यस्तता में से कुछ समय एक-दूसरे के लिए जरूर निकालना चाहिए।

स्पर्श का मौका न गवाएं:-

पति-पत्नी को प्रयास करना चाहिए कि वे एक ही शयनकक्ष में सोएं। बच्चों को यथासंभव अलग कमरे में सुलाने की आदत डालनी चाहिए। साथ सोने से रात को नियमित रूप से एक-दूसरे के स्पर्श का अवसर मिलता है जो अलग बिस्तर पर सोने से संभव नहीं होता। दिन में भी एक दूसरे को छूने का कोई अवसर छोड़ना नहीं चाहिए।

मोटरसाइकिल या स्कूटर पर चलते समय प्रायः नवदंपति एक दूसरे से चिपककर बैठते हैं। विवाह के बीस वर्ष बाद भी पति को पत्नी का उससे लिपटकर बैठना अच्छा ही लगेगा। यदि कार में पति-पत्नी अकेले यात्रा कर रहे हों तो वे एक दूसरे के साथ निकट होकर बैठ सकते हैं। यदि पति-पत्नी टीवी पर लेट नाइट प्रोग्राम देख रहे हैं तो दोनों को साथ बैठकर प्रोग्राम देखना चाहिए। अपना कोई भी क्षण बर्बाद न करें। जब भी अवसर मिले, स्पर्श का सुखद एहसास लेते रहें।

यह सच है और इस बात से हम इंकार नहीं कर सकते कि पति पत्नी के संबंधों के बीच नवीनता धीरे-धीरे समाप्त होती है। अग्नि के सात फेरे ले लेने से ही विवाह पूरा नहीं हो पाता बल्कि विवाह तो जीवन को मधुर बनाकर प्रेम बंधन में बंधकर एक साथ जीने का नाम है। (उर्वशी)

रेसिपी कार्नर

लौंगलता

लौंगलता देखने में छोटी-सी पोटली या लिफाफे जैसी होती है। इसके अंदर मीठी भरावन होती है और ऊपर लगी लौंग इसे खास पहचान देती है। इसे आमतौर पर मैदा की परत से तैयार करके चाशनी में डुबोया जाता है। बाहर से हल्की कुरकुरी और अंदर से मीठी व स्वादिष्ट लौंगलता चाय के साथ भी शानदार लगती है।

अगर आपको बनारसी मिठाइयों का स्वाद पसंद है, तो इसे घर पर बनाना मुश्किल नहीं है। इस रेसिपी में मावा, सूखे मेवे और इलायची जैसी सामग्री का इस्तेमाल करके स्वाद को और बढ़ाया जा सकता है। तो इस बार रक्षाबंधन या त्योहारों पर बाजार से मिठाई लाने के बजाय घर पर बनाएं बनारसी अंदाज की लौंगलता और परिवार के साथ इसके देसी स्वाद का आनंद लें।

लौंगलता बनाने के लिए सामग्री

बाहरी परत के लिए,

मैदा- 1 कप
घी- 2 बड़े चम्मच
पानी- जरूरत के अनुसार
तेल- तलने के लिए
लौंग- जरूरत के अनुसार
भरावन के लिए
मावा/खोया- 1/2 कप
बारीक कटे काजू-बादाम- 2 बड़े चम्मच
इलायची पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच
पिसी चीनी - 2 बड़े चम्मच

चाशनी के लिए

चीनी- 1 कप
पानी- 1/2 कप
इलायची - 2-3 दाने

ऐसे बनाएं लौंगलता

स्टेप 1- आटा तैयार करें

एक बर्तन में मैदा लें और उसमें घी डालकर अच्छी तरह मिलाएं।

थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए सख्त आटा गूंथ लें।

इसे कुछ मिनट के लिए ढककर रख दें।

स्टेप 2- भरावन तैयार करें

एक पैन में मावा डालकर हल्का भूनें।

इसमें कटे हुए काजू-बादाम, इलायची पाउडर और पिसी चीनी डालकर अच्छी तरह मिला लें।

मिश्रण को ठंडा होने दें।

स्टेप 3- लौंगलता की पोटली बनाएं

आटे की छोटी लोई लेकर पतली पूरी बेलें।

बीच में तैयार भरावन रखें।

चारों तरफ से किनारों को मोड़ते हुए इसे छोटी पोटली या लिफाफे का आकार दें।

बीच में एक लौंग लगाकर किनारे को सुरक्षित कर दें।

स्टेप 4- सुनहरा होने तक तलें

कड़ाही में तेल गर्म करें।

लौंगलता को मध्यम से धीमी आंच पर सुनहरा और कुरकुरा होने तक तलें।

तेज आंच पर तलने से बाहर की परत जल्दी रंग पकड़ सकती है, जबकि अंदर का हिस्सा ठीक से नहीं पक पाएगा।

स्टेप 5- चाशनी में डालें

एक पैन में चीनी और पानी डालकर चाशनी तैयार करें।

हल्की चाशनी तैयार होने पर तली हुई लौंगलता को इसमें डालें।

कुछ देर चाशनी में रहने दें ताकि मिठास अच्छी तरह अंदर तक पहुंचे।

अब आपकी स्वादिष्ट बनारसी लौंगलता तैयार है। इसे हल्का ठंडा करके सर्व करें।

संक्षिप्त समाचार

टैक्सी चालक असलम ने दिया ईमानदारी का परिचय, महिला का कीमती सामान लौटाया

चमकता राजस्थान/धौलपुर संवाददाता:रामदास तरुण/धौलपुर। थाना निहालगंज क्षेत्र में एक टैक्सी चालक ने ईमानदारी का परिचय देते हुए अपनी टैक्सी में छूटे एक महिला यात्री के पर्स को सुरक्षित रूप से थाने में जमा कराकर सराहनीय कार्य किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार टैक्सी चालक असलम पुत्र राजू खान निवासी राठौर कॉलोनी, थाना निहालगंज की टैक्सी में यात्रा के दौरान एक महिला यात्री का पर्स गलती से छूट गया था। उक्त पर्स में कुछ सोने-चांदी के आभूषण, आवश्यक कागजात एवं अन्य जरूरी सामान रखा हुआ था। जब टैक्सी चालक असलम को टैक्सी में छूटे पर्स की जानकारी हुई तो उसने महिला यात्री की काफी तलाश की, लेकिन महिला का पता नहीं चलने पर उसने ईमानदारी का परिचय देते हुए, पर्स एवं उसमें रखा समस्त सामान सुरक्षित रूप से थाना निहालगंज में जमा करा दिया।

कुछ समय बाद जानकारी मिलने पर महिला थाना निहालगंज पहुंची, जहां आवश्यक पहचान के बाद उसका पर्स एवं उसमें रखा सामान सुरक्षित रूप से उसे सुपुर्द कर दिया गया। महिला ने अपना कीमती सामान सुरक्षित वापस मिलने पर टैक्सी चालक असलम का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए उसकी ईमानदारी की सराहना की। टैक्सी चालक असलम द्वारा दिखाई गई, ईमानदारी की क्षेत्र में सराहना हो रही है। वहीं पुलिस ने यात्रियों से अपील की है, कि यात्रा के दौरान अपने सामान की सुरक्षा एवं देखभाल पर विशेष ध्यान रखें तथा वाहन से उतरते समय अपने सामान की जांच अवश्य कर लें।

शैक्षिक महासंघ राजस्थान खंड रानी की साधारण सभा सम्पन्न, नई कार्यकारिणी का गठन

चमकता राजस्थान/ ब्यूरो चीफ जेके बावल/ पाली , रानी के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय नंबर-2, धर्मवीर मैदान में रविवार को अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान खंड रानी की साधारण सभा की बैठक आयोजित हुई। बैठक में संगठन की नई खंड कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया।

प्रदेश एवं जिला नेतृत्व के निर्देशानुसार खंड पालक अधिकारी अमरचंद सामरिया ने प्रदेश नेतृत्व से प्राप्त खंड कार्यकारिणी के पांच शीर्ष पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की। इनमें लक्ष्मण सिंह गिरवर को अध्यक्ष, अर्जुन सिंह चारण को मंत्री, मगाराम सोलंकी को कोषाध्यक्ष, दीपक वैष्णव को वरिष्ठ उपाध्यक्ष तथा प्रतिभा कंवर को महिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया।

इसके साथ ही कार्यकारिणी के शेष 15 पदों पर भी सर्वसम्मति से मनोनयन किया गया। इनमें मोतीलाल मेवाड़ा उपाध्यक्ष (पुरुष), हेमलता पंवार महिला मंत्री, बद्री प्रसाद निंबार्क प्रधानाचार्य प्रतिनिधि, पर्वत सिंह भाटी प्राध्यापक प्रतिनिधि, चंदन सिंह राजपुरोहित वरिष्ठ अध्यापक प्रतिनिधि, जितेन्द्र कुमार अध्यापक प्रतिनिधि, वीरा राम मीणा शारीरिक शिक्षक प्रतिनिधि, फूल चंद मालवीय संस्कृत शिक्षक, दली चंद चंदेल प्रबोधक प्रतिनिधि, प्रदीप सोनी कंप्यूटर शिक्षक प्रतिनिधि, पिस्ता कुमारी महिला शिक्षा सदस्य, जीता राम कुमावत पुस्तकालय अध्यक्ष, तरुण परिहार प्रयोगशाला सहायक, भंवर लाल मूलेवा पंचायत शिक्षक तथा शेष राम पंवार सेवानिवृत्त शिक्षक को मनोनीत किया गया।

वहीं जिला महासभा सदस्य के लिए दिलीप सिंह चारण, केसर सिंह राजपुरोहित, श्याम सुंदर अखावत, चंद्र प्रकाश मेवाड़ा, प्रताप सिंह बडगुजर, मांगीलाल दहिया, सुरेश चारण एवं प्रवीण चितारा का मनोनयन किया गया।

नाडोल में ट्रैफिक जाम की समस्या जस की तस, राहगीर और यात्री परेशान

चमकता राजस्थान

ब्यूरो चीफ जेके बावल/पाली। देसूरी क्षेत्र के नाडोल कस्बे में इन दिनों यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई नजर आ रही है। आशापुरा गेट से पातालेश्वर महादेव मंदिर होते हुए बस स्टैंड तक आए दिन लंबा ट्रैफिक जाम लगने से वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

खास बात यह है कि रामदेवरा जाने वाले श्रद्धालुओं का भी इसी मार्ग से आवागमन रहता है। ऐसे में वाहनों की बढ़ती संख्या के बीच जाम की स्थिति और विकट हो जाती है। कई बार वाहन चालकों को काफी देर तक जाम में फंसे रहना पड़ता है।

● कई साल से उठ रही आवाज, समाधान का इंतजार

स्थानीय लोगों का कहना है कि नाडोल की ट्रैफिक समस्या कोई नई नहीं है। पिछले कई वर्षों से मीडिया के माध्यम से इस मुद्दे को लगातार उठाया जा रहा है, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान अब तक नहीं हो पाया है। प्रशासन की ओर से प्रभावी यातायात व्यवस्था नहीं होने के कारण स्थिति जस की तस बनी हुई है।

● व्यवस्था सुधरे तो मिले राहत

लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि नाडोल में ट्रैफिक नियंत्रण, अतिक्रमण हटाने, सड़क व्यवस्था सुधारने और आवश्यकता अनुसार डायवर्सन जैसी व्यवस्थाएं लागू की जाएं। स्थानीय लोगों का कहना है कि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आगामी दिनों में यातायात का दबाव और बढ़ सकता है। अब देखना यह है कि वर्षों से चली आ रही नाडोल की जाम की समस्या पर प्रशासन कब गंभीरता दिखाता है और लोगों को इस परेशानी से कब राहत मिलती है।

तीन वर्षीय सत्र के लिए जीतेन्द्र कंसाना अध्यक्ष एवं मनीष पचौरी मंत्री निर्वाचित

चमकता राजस्थान

धौलपुर संवाददाता : रामदास तरुण। बाड़ी। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ राजस्थान विद्यालय शिक्षा के प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार खंड बाड़ी की साधारण सभा का आयोजन पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बाड़ी में पालक कार्यकर्ता नवनीत प्रिय त्रिपाठी के आतिथ्य में दो सत्रों में किया गया। बैठक के प्रथम सत्र में जिला मंत्री द्वारा संत रविदास जी की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में उनके जीवन, व्यक्तित्व एवं सामाजिक समरसता के संदेश पर उद्बोधन दिया गया। साथ ही संगठन की कार्यप्रणाली एवं विधान से कार्यकर्ताओं को अवगत कराया गया तथा तीन वर्षीय सत्र के लिए पांच कार्यकर्ताओं के मनोनयन की घोषणा की गई। बैठक के द्वितीय सत्र में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के संगठनात्मक परिचय, गतिविधियों को गति देने, संगठन को अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने तथा कार्यकर्ताओं में दायित्वबोध विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया। इस दौरान आगामी जिला शैक्षिक सम्मेलन के आयोजन को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई तथा विभिन्न दायित्वों के मनोनयन की घोषणा की गई। बैठक में उपस्थित पूर्व जिला अध्यक्ष रघुवीर प्रसाद शर्मा ने कार्यकर्ताओं को समर्पित भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि संगठन के कार्य को निस्वार्थ भाव से करने पर ही एक कार्यकर्ता की वास्तविक पहचान बनती है। संगठन द्वारा आगामी तीन वर्षीय सत्र के लिए जीतेन्द्र कंसाना को खंड अध्यक्ष एवं मनीष पचौरी को खंड मंत्री निर्वाचित किया गया। इसके अतिरिक्त सुमन चाहर को महिला मंत्री, मुकेश कुमार शर्मा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, राजेश गुर्जर को पुरुष उपाध्यक्ष, रीना शर्मा को महिला उपाध्यक्ष तथा नवनीत पाराशर को कोषाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया। इसी प्रकार अध्यापक सदस्य के रूप में जितेंद्र यादव एवं महेश कुमार, वरिष्ठ अध्यापक सदस्य धीरज चंसौरिया, प्राध्यापक सदस्य पिंकी शर्मा, प्रधानाचार्य प्रतिनिधि दिलीप चाहर, शारीरिक शिक्षक प्रतिनिधि हनुमान प्रसाद पड़ीरवाल, महिला शिक्षक प्रतिनिधि मेघा मित्तल, संस्कृत शिक्षा सदस्य मुकेश पारीक, प्रयोगशाला सहायक प्रतिनिधि करुणा, पुस्तकालयाध्यक्ष प्रतिनिधि कमलेश शर्मा, सेवानिवृत्त शिक्षक प्रतिनिधि अशोक कुमार शर्मा, प्रबोधक सदस्य रवि सिकरवार, कम्प्यूटर शिक्षक प्रतिनिधि विष्णु कुमार शर्मा तथा पंचायत शिक्षक सदस्य अशोक कुमार शर्मा का मनोनयन किया गया। इस अवसर पर सुनील शुक्ला, बृजलाल मुरली, इरशाद खान, राजेश कुमार, अतर सिंह गुर्जर सहित संगठन के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने तथा शिक्षा एवं शिक्षकों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सक्रियता से कार्य करने का संकल्प लिया गया।

अखिल भारतीय जनसंघ का मठ-मंदिर आयाम : आनंद गिरि जी महाराज को राष्ट्रीय संयोजक मनोनीत

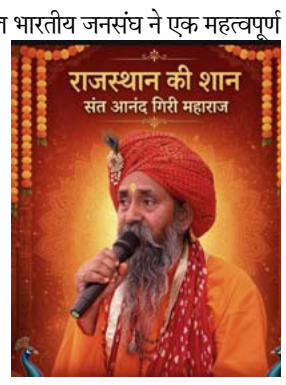

चमकता राजस्थान/जयपुर। अखिल भारतीय जनसंघ ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए श्री श्री 108 आनंद गिरि जी महाराज (शाकंभरी माता मठ, झुंझुनू,राजस्थान) को संगठन के मठ-मंदिर आयाम का राष्ट्रीय संयोजक मनोनीत किया है।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य डॉ. भारत भूषण पाण्डेय द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार तिरुपति में हुई बैठक में यह नियुक्ति की गई है। आनंद गिरि जी महाराज अखिल भारतीय स्तर पर इस आयाम का विस्तार करेंगे और सनातन समाज को राष्ट्र-रक्षा के इस अभियान से जोड़ेंगे।

जनसंघ का यह प्रस्ताव मठ-मंदिरों को सरकारी, गैर-सरकारी तथा गैर-आध्यात्मिक-धार्मिक तत्वों से मुक्त कराने पर केंद्रित है। उद्देश्य है कि इन स्थानों की व्यवस्था, संचालन और सुरक्षा को मजबूत किया जाए तथा इन्हें शिक्षा, सेवा और रक्षा के केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। साथ ही शास्त्र रक्षा, वेदाध्ययन, जैविक प्राचीन कृषि और संस्कृति के संरक्षण को भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

आशा की गई है कि आनंद गिरि जी महाराज संयोजक के रूप में जनजागरण के माध्यम से सनातन समाज को आलोकित करेंगे। संगठन की आशा है कि इस नियुक्ति से मठ-मंदिरों को सनातन परंपरा के अनुरूप सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी।

रानी से सैकड़ों श्रद्धालु पैदल रामदेवरा रवाना, घोड़ा-सीर सिर पर धारण कर जत्था हुआ रवाना

चमकता राजस्थान

भरत कुमार गांधी/रानी। भादवा सुदी बीज के पावन अवसर पर रविवार को रानी कस्बा बाबा रामदेवजी की भक्ति में सराबोर नजर आया। हर वर्ष की परंपरा को कायम रखते हुए जय भोले फ्रूट सप्लायर्स, रानी के विक्रेता प्रवीण खारवाल के नेतृत्व में सैकड़ों श्रद्धालुओं का पैदल जत्था रामदेवरा के लिए रवाना हुआ। जत्थे के रवाना होने के दौरान बाबा रामदेवजी के जयकारों से पूरा कस्बा गूंज उठा।

रामदेवरा पैदल यात्रा पर रवाना होने से पूर्व श्रद्धालुओं का ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच भव्य स्वागत एवं बहुमान किया गया। भारत पेट्रोल पंप पर विपिन कच्छवाहा, जसाराम राठौर, कमलेश पुरोहित, भेराराम बंजारा, दीपाराम गर्ग, रेखा माली, ताराचंद माली सहित व्यापारियों ने श्रद्धालुओं को फूल-मालाएं पहनाकर यात्रा के लिए रवाना किया। इस दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और आस्था देखने को मिली। श्रद्धालु बाबा रामदेवजी के जयकारे लगाते हुए तथा घोड़ा-सीर को सिर पर धारण कर रामदेवरा की ओर पैदल रवाना हुए। जत्थे के साथ डीजे साउंड सहित अन्य वाहन भी मौजूद रहे। जैसे-जैसे श्रद्धालुओं का जत्था कस्बे के बाजार से होकर गुजरा, वातावरण बाबा रामदेवजी के जयकारों से भक्तिमय हो गया। बाजार के व्यापारियों एवं दुकानदारों ने भी पुष्पमालाओं से स्वागत कर यात्रा की मंगलकामना की।

आयोजक प्रवीण खारवाल एवं राजू खारवाल ने यात्रा में शामिल सभी श्रद्धालुओं, व्यापारियों एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए बाबा रामदेवजी से सभी की सुख-समृद्धि एवं मंगलमय यात्रा की कामना की।

बीकानेर से हुई श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज की प्रीमियर लीग 2026 की घोषणा

● मनीष जाजड़ा के प्रदेश अध्यक्ष बनने पर अभिनंदन

चमकता राजस्थान/बीकानेर। श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज की प्रीमियर लीग 2026 की घोषणा होटल उत्सव में रविवार को की गयी। राजस्थान श्री गुर्जर गौड ब्राह्मण समाज क्रिकेट संघ के प्रदेश अध्यक्ष मनीष जाजड़ा के तत्वाधान में सभी युवा क्रिकेट प्रेमियों के बीच जीजीपीएल 2026 की विधिवत्त रूप से घोषणा की गई। जिसमें सर्वप्रथम श्री महर्षि गौतम की प्रतिमा के आगे दीप प्रज्वलित किया गया। साथ ही क्रिकेट टूर्नामेंट का पोस्टर विमोचन किया गया। प्रदेश अध्यक्ष मनीष जाजड़ा व टूर्नामेंट संयोजक वासुदेव उपाध्याय ने बताया कि बीकानेर के रेलवे ग्राऊंड पर क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ 27 सितम्बर को सुबह 11 बजे होगा। बीकानेर जिले के युवा शक्ति के साथ टेनिस बॉल से टूर्नामेंट का आयोजन होगा। जिसमें रजिस्ट्रेशन फॉर्म ऑनलाइन 01/9/26 से किए जा सकेंगे और रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 10/ 9/ 2026 तक रखी गयी है जिसके बाद टीम लॉटरी 20-9-2027 रखी गई है। उसी से पता चल सकेगा कौन सी टीम किसके साथ खेलेगी। इसी मंच पर आज समाज के युवा क्रिकेट खिलाड़ियों व समाज के गणमान्य प्रबुद्ध जनों और पत्रकारों के बीच मनीष जाजड़ा का राजस्थान श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज क्रिकेट संघ के प्रदेश अध्यक्ष बनने पर माला व साफा पहनाकर स्वागत और अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर बिरजू प्यारे, अमित जोशी, रविंद्र जाजड़ा, रामेंद्र शर्मा, जयराम उपाध्याय, प्रहलाद जोशी, संदीप उपाध्याय, रामदेव उपाध्याय, वासुदेव उपाध्याय, राजू चानी और सभी आए हुए सभी खेल प्रेमियों का महादेव उपाध्याय ने हृदय से स्वागत व आभार व्यक्त किया।

रामदेवरा पैदल यात्रियों के लिए 15वें वर्ष भी शुरू हुआ सोड़ावास में निशुल्क राम रसोड़ा

चमकता राजस्थान

ब्यूरो चीफ जेके बावल/ पाली । जिले के सोड़ावास गांव के ठाकुरला चौराहे स्थित पाली-उदयपुर मेगा हाईवे-67 पर व्यापारी मित्र मंडल, अहमदाबाद-गुजरात की ओर से लोक देवता बाबा रामदेवजी के दर्शन के लिए रामदेवरा जा रहे पैदल यात्रियों की सेवा के लिए निशुल्क राम रसोड़े का शुभारंभ रविवार सुबह शुभ मुहूर्त में किया गया।

मंडल उपाध्यक्ष चुन्नीलाल वागोणा निम्बाड़ा ने बताया कि व्यापारी मित्र मंडल की ओर से लगातार 15 वर्षों से रामदेवरा जाने वाले पदयात्रियों के लिए यह सेवा शिविर आयोजित किया जा रहा है। शुभारंभ अवसर पर बाबा रामदेवजी एवं गुरुदेव नवलारामजी महाराज की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद पदयात्रियों के लिए निशुल्क भोजन, चाय-पानी, नाश्ता, दवाइयों सहित विभिन्न आवश्यक सेवाएं शुरू की गईं। राम रसोड़े के शुभारंभ के साथ ही भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने के लिए पदयात्रियों की लंबी कतारें नजर आईं। सेवा शिविर में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने व्यवस्थाएं संभालीं और पैदल यात्रियों की सेवा में जुटे रहे।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष हेमराज सेजु, चिमनदास महाराज झंवर जोधपुर, कूकाराम पंवार आइचिया, हंसाराम जोधा बुधवाड़ा, पूर्व नायब तहसीलदार मदनलाल बॉस जीवंदकलां, लुंबाराम परमार गुड़ा नारकान, मांगीलाल हटेला केनपुरा, दलाराम परिहारिया बूसी, ढलाराम भाटी इन्द्रवाड़ा, ढलाराम चौहान ठाकुरला, प्रतापराम परमार गुड़ा नारकान, गणेश दहिया सोड़ावास, कस्तूरराम परिहार टेवाली, जसराज सेजु सापुनी, जसराय अनकिया इन्द्रवाड़ा, चुन्नीलाल कड़ेला सोड़ावास, शेराराम खटूलिया टेवाली, सुरेशकुमार सेजु सापुनी, नेमाराम खटूलिया गुड़ा जैतसिंह, मोडाराम आगलेचा सोड़ावास, कनाराम कड़ेला सोड़ावास, चुन्नीलाल ढाडा टेवाली, सोहन सोलंकी सोड़ावास, प्रकाश दादालिया भादरलाऊ, डूंगाराम राणावत बुधवाड़ा, लालाराम पुच्छल टेवाली, घीसाराम राठौड़ गुड़ा बिच्छू, अशोक चौहान ठाकुरला सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

श्रीनगर में रामदेवरा पदयात्रियों के लिए निशुल्क भोजन विधायक रामस्वरूप लांबा ने किया उद्घाटन

चमकता राजस्थान

रघुनंदन पारीक श्रीनगर/ अजमेर। श्रीनगर कस्बे में खेड़ा चौराहे पर रविवार को बाबा रामदेवरा जाने वाले पैदल यात्रियों के लिए जन सहयोग से निशुल्क भंडारे का शुभारंभ हुआ। भंडारे के उद्घाटन समारोह के दौरान मौजूद क्षेत्रीय विधायक रामस्वरूप लांबा कहा कि बाबा रामदेव ने वंचित वर्ग के उत्थान के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। हमें उनके जीवन से सामाजिक समरसता की सीख लेनी चाहिए। इस दौरान पंडित नितेश जोशी की ओर से वैदिक मंत्रोचार के साथ पूजा अर्चना करवा कर भंडारे का विधिवत रूप से शुभारंभ किया गया। विधायक लांबा ने बाबा रामदेव जी की आरती उतारी। इस दौरान श्रीनगर ग्राम पंचायत के प्रशासक दिलीप राठी वह पूर्व सरपंच सुनीता यादव श्रीनगर थाने से एएसआई हनुमान लाल चौधरी, भाजपा नेता राम सिंह रावत, सामाजिक कार्यकर्ता अनिल जाटोलिया, गोवर्धन माली भंवरलाल माली ,शैतान सिंह रावत आदि मौजूद रहे। व्यवस्थापक गोवर्धन माली ने बताया कि भंडारे भोजन, चाय एवं ठहरने की व्यवस्था निशुल्क रहेगी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) कार्यकारी संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929